mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-190 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 जुलाई 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बोलीं- मौत आए तो अपनी मिट्टी पर आए

नई दिल्ली,एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने देश वापस लौटने का एलान किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में शेख हसीना ने कहा कि वह अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ दिसंबर के आसपास भारत में अपना निर्वासन खत्म कर स्वदेश लौटेंगी और अदालत में आत्मसमर्पण करेंगी।

दरअसल, बांग्लादेश में मौत की सजा का सामना कर रहीं और अपनी पार्टी (अवामी लीग) पर प्रतिबंध झेल रहीं शेख हसीना ने कहा कि वे अपने देश में कोर्ट के सामने खुद को पेश कर यह देखना चाहती हैं कि बांग्लादेश की सरकार अपने सबसे प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ कैसा व्यवहार करती है।

दक्षिण एशियाई देश की सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहीं शेख हसीना ने कहा कि वह और उनकी अवामी लीग के सदस्य स्वेच्छा से उस देश लौटना चाहते हैं, जिसे वे दो साल पहले छोड़कर भाग गई थी।

मौत आती है तो आए, मुझे जाना ही है... गुरुवार देर रात और शुक्रवार तक चले लगभग एक घंटे के टेलीफोन इंटरव्यू में शेख हसीना ने कहा, 'हो सकता है कि लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर लें, या मुझे मार भी डालें। फिर भी, मुझे जाना ही है।

मद्रास हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

करूर भगदड़: मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी दे सकेगी विजय सरकार,

चेन्नई,एजेंसी। सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम(टीवीके) सरकार को बड़ी अंतरिम राहत देते हुए मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने शुक्रवार को करूर रैली में मची भगदड़ में मारे गए 41 लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने के तमिलनाडु सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ये नियुक्तियां पूरी तरह से अस्थायी होंगी और मामले के अंतिम फैसले पर निर्भर करेंगी।

जस्टिस सी.वी. कार्तिकेयन और जस्टिस आर. शक्तिवेल की बेंच ने कहा कि वे इस स्तर पर सरकार के नीतिगत फैसले में दखल नहीं देना चाहते। कोर्ट ने निर्देश दिया कि ये नियुक्तियां याचिकाओं पर आने वाले अंतिम आदेशों के अधीन होंगी। साथ ही यह भी तय किया कि

लाभार्थियों को उनके पहले महीने का वेतन मिलने से पहले इस मामले की याचिकाओं पर सुनवाई की जाए। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को तय की गई है।

कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तमिलनाडु लोक सेवा आयोग को भी इस मामले में प्रतिवादी बनाया है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भी नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं की दलीलें और कोर्ट की फटकार... नाम तमिझर काची (एनटीके) के नेता थीरन थिरुमुरुगन और मनिथनेय जननायगा काची के पदाधिकारी सीनी अहमद द्वारा दायर याचिकाओं में, पीड़ित परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के फैसले पर रोक लगाने की मांग की गई थी। उनका तर्क था कि इस तरह की नियुक्तियां TNPSC और अन्य कानूनी भर्ती प्रक्रियाओं को दरकिनार करेंगी, जो सार्वजनिक रोजगार में समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है और इससे एक गलत मिसाल कायम होगी।

मोदी बोले-ऑस्ट्रेलियाई टी-20 लीग का ओपनिंग मैच भारत में होगा

● चेन्नई में खेला जाएगा, भारत में पहली बार विदेशी क्रिकेट लीग का मुकाबला

ऑकलैंड,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की टी-20 लीग बिग बैश लीग (BBL) का ओपनिंग मैच भारत में खेला जाएगा। मुकाबला चैन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 12 दिसंबर को होगा। यह पहली बार होगा, जब किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच भारत में होगा।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे और आखिरी दिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी मौजूद रहे।

बीबीएल पहली बार ऑस्ट्रेलिया से बाहर होगा: बीबीएल के 15 साल के इतिहास में यह पहली बार होगा, जब लीग का कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने और लीग को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों में खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र भी है। इसी सोच के साथ उन्होंने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप लॉन्च किया है। इसके तहत खेल विज्ञान, बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी, व्यापार, पर्यटन और निवेश जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा।

आस्ट्रेलियाई पीएम बोले- 12 दिसंबर को चेन्नई में बीबीएल का पहला मुकाबला होगा... ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पहली बार अपनी बिग बैश लीग (बीबीएल) भारत ला रहा है। इस साल 12 दिसंबर को चेन्नई में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच सीजन का पहला मैच खेला जाएगा। यह मैच सप्ताहभर चलने वाले 'G'Day Namaste' फेस्टिवल की शुरुआत करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खेल, संस्कृति और कारोबार से जुड़े कई कार्यक्रम होंगे।

मानसून ने पूरे देश को कवर किया: दिल्ली में बारिश से सड़कें डूबीं, कार पर पेड़ गिरा

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 1000 लोग फंसे

● यूपी-बिहार में बारिश-बिजली से 13 मौतें

नई दिल्ली/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना,एजेंसी। मानसून के पूरे देश को कवर करने के बाद कई राज्यों में बारिश जारी है। दिल्ली में लगातार बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया। तुखमीरपुर में 24 घंटे में 160 मिमी बारिश हुई। विकास मार्ग, संगम विहार, द्वारका, मुनीरका, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन समेत कई जगहों पर सड़कें डूब गई। गाजीपुर मंडी

और आसपास का इलाका पानी में डूब गया। कार पर पेड़ भी गिरा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में शुक्रवार को यमुनोत्री हाईवे 100 मीटर बह गया। इससे करीब 1000 यात्री फंसे हैं। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश मार्ग चट्टानें गिरने से बंद है। हरिद्वार में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया।

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को 30 शहरों में बारिश हुई। बारिश से जुड़े अलग-अलग हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। बुलंदशहर में मस्जिद की पुरानी दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 लोगों की जान गई। हरदोई में 2 बहनें नदी में बह गईं। वहीं, बिहार के गोपालगंज में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई।

राजस्थान के धौलपुर में बारिश के चलते मकान ढह गया और 6 लोग मलबे में दब गए। राज्य में 6 ट्रेनें कैंसिल हुई हैं। कई ट्रेनें लेट भी हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

भारत-चीन व्यापार की शुरुआत टली: गुंजी में इंतजार कर रहे 100 भारतीय व्यापारी

चीन ने कहा- दुकानों और गोदामों का काम जारी

पिथौरागढ़,एजेंसी। उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से छह साल बाद शुरू होने जा रहे परंपरागत भारत-चीन व्यापार की शुरुआत एक बार फिर टल गई है। भारतीय व्यापारियों को 8 जुलाई तक चीन के तकलाकोट पहुंचना था, लेकिन वहां मंडी, दुकानें और गोदाम तैयार नहीं होने से व्यापार की तारीख आगे बढ़ गई। फिलहाल करीब 100 भारतीय व्यापारी गुंजी और नाबीढांग में इंतजार कर रहे हैं। चीन की ओर से नई तारीख भी अभी तय नहीं की गई है। व्यापारियों को अब तकलाकोट मंडी की तैयारियां पूरी होने और नई तिथि घोषित होने का इंतजार है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने भारतीय प्रशासन को जानकारी दी है कि तकलाकोट में भारतीय व्यापारियों के लिए दुकानों और गोदामों का निर्माण कार्य अभी जारी है। इस बार चीन की ओर से भारतीय व्यापारियों के लिए नया व्यापारिक भवन बनाया जा रहा है, जहां उन्हें किराये पर दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी। भवन और गोदाम पूरी तरह तैयार होने के बाद ही व्यापारियों को तकलाकोट जाने की अनुमति मिलेगी।

100 व्यापारियों को मिले ट्रेड पास: इस वर्ष तकलाकोट व्यापार के लिए 134 भारतीय व्यापारियों ने आवेदन किया है। प्रशासन अब तक 100 व्यापारियों और उनके सहायकों को ट्रेड पास जारी कर चुका है। शेष व्यापारियों, सहायकों और पोनी-पोर्टरों के पास जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। भारतीय व्यापारी निर्यात किया जाने वाला सामान गुंजी पहुंचा चुके हैं। यहां कस्टम कार्यालय में सामान की जांच और कस्टम क्लीयरेंस शुरू हो गई है। कई व्यापारियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। व्यापारियों की सुविधा के लिए गुंजी में एसबीआई की शाखा भी संचालित की जा रही है।

पहली बार नजर आ सकते हैं नए सुप्रीम लीडर मुजतबा

● ईरानी मीडिया का दावा- आज पिता खामेनेई की शोकसभा में शामिल होंगे

तेल अवीव/तेहरान,एजेंसी। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई शनिवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आ सकते हैं। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, वे कोम शहर की हजरत मासूमेह दरगाह में अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की शोकसभा की अगुवाई करेंगे।

शुक्रवार को अली खामेनेई को मशहद स्थित इमाम रजा के रौजे में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इसके अगले दिन कोम में यह शोकसभा आयोजित की जा रही है। मुजतबा के सार्वजनिक रूप से सामने आने को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वे किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आए हैं।

शुरुआती मार्च में धार्मिक परिषद ने मुजतबा को नया सुप्रीम लीडर चुना था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फरवरी में हुए हमले में वे घायल हो गए थे। इसके बाद सुरक्षा कारणों से वे अब तक सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहे हैं।

सीजफायर के बावजूद लेबनान में इजराइली हमले जारी... अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हमले जारी रखे। गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक कई इलाकों में ड्रोन हमले, गोलीबारी और टैंकों की कार्रवाई हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, मंसूरी में इजराइली ड्रोन ने स्टन ग्रेनेड गिराया, जबकि बय्यादा से बियूत अल-सय्याद की ओर मशीनगनों से फायरिंग की गई।

जगन्नाथ पुरी के राजा का राष्ट्रपति और पीएम को लेटर

● कहा- इस्कॉन का अलग समय पर रथयात्रा निकालना गलत, इससे परंपरा खत्म हो जाएगी

भुवनेश्वर ,एजेंसी। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने इस्कॉन की तरफ से अलग तिथियों पर जगन्नाथ रथयात्रा और स्नान यात्रा निकालने पर आपत्ति जताई है।

दिव्यसिंह देव ने 8 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा है और

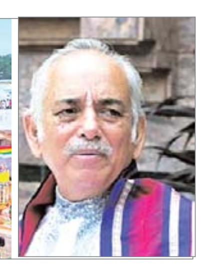

हस्तक्षेप की मांग की है। दिव्यसिंह ने कहा कि इससे प्राचीन परंपरा खत्म हो जाएगी। गजपति महाराज दिव्यसिंह देब श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (इस्कॉन) के अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि इस्कॉन रथयात्रा का आयोजन ऐसी तारीखों पर कर रहा है, जो शास्त्रों के अनुसार नहीं हैं। इससे भक्तों की भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यास रचित स्कंद पुराण में भी भगवान जगन्नाथ ने स्वयं स्नान यात्रा और रथयात्रा की निर्धारित तिथि बताई हैं।

मध्य प्रदेश में प्रस्तावित रथयात्राओं पर भी आपत्ति... गजपति महाराज ने उज्जैन स्थित इस्कॉन मंदिर की ओर से 16 से 25 जुलाई के बीच मध्य प्रदेश के 66 स्थानों पर रथयात्रा आयोजित करने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार रथ यात्रा केवल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से शुरू होने वाला 9 दिवसीय उत्सव है।

पंजाब कांग्रेस में टूट का खतरा बढ़ा: सांसद गुट-कांग्रेस प्रभारी की मीटिंग टली

● 2 शर्तों से बिगड़ी बात; राहुल से मिलकर बड़ा फैसला लेंगे चन्नी

लुधियाना,एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में चुनाव से करीब 8 महीने पहले टूट का खतरा बढ़ गया है। बगावती तेवर दिखा रहे पूर्व सीएम व जालंधर सांसद चरणजीत चन्नी के गुट की प्रभारी भूपेश बघेल से मीटिंग टल गई है। चन्नी गुट की शर्तों के बाद यह मीटिंग कैंसिल कर दी गई। अब ये मीटिंग आज हो सकती है। मीटिंग

को लेकर चन्नी गुट की 2 शर्तें थीं, जिनमें कांग्रेस भवन में न मिलने और उसमें प्रधान राजा वड़िंग के मौजूद न होने की बात कही गई थी। माना जा रहा है कि इन पर सहमति नहीं बनी। चन्नी के करीबी सोर्सेज का कहना है कि वह दिल्ली में ही राहुल गांधी से मिलना चाहते हैं ताकि अगर उन्हें चुनाव में बड़ी भूमिका मिलती है तो उस पर बघेल नहीं बल्कि सीधे राहुल गांधी की मुहर हो। इसके बाद ही वह आगे कोई बड़ा फैसला लेंगे।

वहीं कांग्रेस हाईकमान के किनारा करने के बावजूद पूर्व सीएम व जालंधर सांसद चरणजीत चन्नी ने AICC के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल के आगे सरेंडर से इनकार कर दिया है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी

सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई, दान गिनने वाले 23 कर्मचारियों का इस्तीफा

अयोध्या,एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 3 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाओं में जांच CBI को सौंपने और SIT के गठन के मांग की गई है। साथ ही, मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी मांग की गई है।

इधर, मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 23 कर्मचारियों ने गुरुवार को एक साथ इस्तीफा दे दिया। उनका कहना है कि चोरी की घटना के बाद 10-20 रुपए के नोट बढ़ गए हैं, जिससे गिनती में ज्यादा समय लग रहा है। पहले 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां बन जाती थीं, अब बमुश्किल 15 गड्डियां बन रही हैं। पहले काम दो शिफ्ट में होता था, लेकिन अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट कर दी गई है। वेतन वही है और काम के घंटे बढ़ गए हैं। अब बैंक के पास सिर्फ 13 गणना कर्मी बचे हैं।

● चढ़ावे में 10-20 के नोट बढ़े, 500 के घटे

योगी बोले: हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का पाप किया था

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सपा-कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सुबह 11.30 बजे जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- जो लोग आज आस्था की बात करते हैं, याद करिए, इन लोगों ने हमारे पवित्र हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया था।

● सीएम योगी ने कहा: आप कल्पना करिए कि क्या कोई जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ कर पाएगा? क्या सरकारें करवा पाएंगी। क्या सपा और कांग्रेस करवा पाएगी? अगर नहीं तो अयोध्या में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों करवाया?

● योगी ने कहा: लंबे समय तक अयोध्या अविकसित रही। पिछड़ी रही। सड़क नहीं थी। बिजली नहीं थी। पानी नहीं था। बगल में मां सरयू बह रही है, फिर भी अयोध्या उससे वंचित रही। अयोध्या आने वाला श्रद्धालु मां सरयू का आशीर्वाद नहीं ले पाता था। गंदगी अयोध्या की पहचान बन चुकी

बद्रीनाथ- वीआईपी दर्शन से 1.63 करोड़ की आय पर विवाद

उपाध्यक्ष बोले- बिना बोर्ड मंजूरी के शुल्क लागू किया; चढ़ावा के बाद दो नए मामले चर्चा में

देहरादून,एजेंसी। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा हेराफेरी विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ है कि अब दो नए वित्तीय मामले चर्चा में आ गए हैं। पहला मामला वीआईपी दर्शन के लिए प्रति श्रद्धालु 1100 रुपए शुल्क वसूलने का है, जिससे अब तक करीब 1.63 करोड़ रुपए जमा होने का दावा किया जा रहा है। दूसरा मामला वीआईपी मेहमानों के ठहरने और खानपान के नाम पर कथित फर्जी बिल बनाए जाने का है। दोनों मामलों को लेकर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) के भीतर ही मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने बोर्ड की मंजूरी के बिना शुल्क लागू करने पर सवाल उठाए हैं, जबकि CEO सोहन सिंह रांगड़ का कहना है कि यह व्यवस्था भीड़ नियंत्रण और अनधिकृत वसूली रोकने के

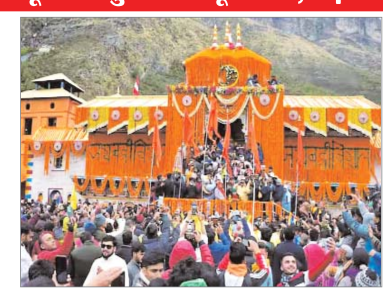

लिए लागू की गई थी।

जून के अंतिम सप्ताह से लागू हुई व्यवस्था : चारधाम यात्रा के पीक सीजन में बद्रीनाथ धाम में रोज हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे थे। इसी दौरान कुछ श्रद्धालुओं को सामान्य कतार से अलग विशेष व्यवस्था के तहत दर्शन कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके लिए प्रति व्यक्ति 1100 रुपए शुल्क लिया गया और आधिकारिक रसीद भी जारी की गई। विवाद तब शुरू हुआ जब यह सवाल उठा कि इस शुल्क को लागू करने से पहले क्ष्यऊष्ट बोर्ड से औपचारिक मंजूरी ली गई थी या नहीं।

सीईओ बोले- पारदर्शिता के लिए किया व्यवस्थित... BKTC के मुख्य कार्याधिकारी (CEO) सोहन सिंह रांगड़ का कहना है कि VIP दर्शन शुल्क कोई नई व्यवस्था नहीं थी, बल्कि पहले से चली आ रही प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया गया। उनके अनुसार यात्रा सीजन में बड़ी संख्या में लोग विभिन्न माध्यमों से प्रोटोकॉल या VIP श्रेणी में दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जिससे सामान्य श्रद्धालुओं की कतार और भीड़ प्रबंधन प्रभावित होता है।

भारी बारिश के बीच ढाढर नदी में दिखा मगरमच्छों का झुंड, वीडियो वायरल

अहमदाबाद, एजेंसी। मॉनसून की शुरुआत के साथ ही हर साल की तरह इस साल वडोदरा के रिहायशी इलाकों में मगरमच्छ निकलने लगे हैं। बारिश का मौसम शुरू होते ही शहर के अलग-अलग इलाकों में घूमते हुए देखे जा रहे हैं, जिससे लोगों की चिंता काफी बढ़ गई है। हाल ही में शहर के पश्चिमी इलाके के टंडलजा गांव और पॉश वासना-भयाली रोड पर मगरमच्छ देखे गए हैं, जिससे पूरे इलाके में डर का माहौल है।

ढाढर नदी में दिखा मगरमच्छों का झुंड: पाद्रा-करजन रोड पर कोथवाड़ा गांव के पास ढाढर नदी में एक साथ तैरते मगरमच्छों के झुंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में नदी में कई छोटे-बड़े मगरमच्छ एक साथ दिखाई दे रहे हैं, पुल से गुजरने वाले लोगों और स्थानीय निवासियों ने इसे अपने कैमरे में कैद किया। ढाढर नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छों की मौजूदगी से आसपास के ग्रामीण इलाकों में, खासकर नदी के किनारे जाने वाले किसानों और पशुपालकों के बीच भारी डर का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग को इस बारे में जानकारी दी है और प्रशासन ने लोगों से नदी के पानी से दूर रहने और सावधानी बरतने की अपील की है।

टंडलजा में मगरमच्छ की मौजूदगी से लोगों में डर

दूसरी ओर, टंडलजा गांव के बस स्टैंड के पास रिहायशी इलाके के बीच बने तालाब में एक विशाल मगरमच्छ को देखकर भी लोग घबरा गए हैं। इस झील के आसपास बड़ी संख्या में सोसायटियां, अपार्टमेंट और घर हैं, जहां छोटे बच्चे भी खेलते हैं। डर है कि मॉनसून के दौरान पानी का स्तर बढ़ने पर मगरमच्छ सीधे सोसायटियों में घुस सकते हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि टंडलजा के स्थानीय लोग रात में घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं और यहां रात के कर्फ्यू जैसा माहौल बन गया है। आमतौर पर वडोदरा में विश्वामित्री नदी और आसपास के नालों में मगरमच्छ आम बात है, लेकिन अब जब ये मगरमच्छ इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं, तो किसी बड़ी दुर्घटना के होने से पहले प्रशासन का सतर्क होना जरूरी है। तंडलजा के निवासियों ने जोरदार मांग की है कि वन विभाग तुरंत झील के किनारे एक पिंजरा लगाए, इस मगरमच्छ को पकड़े और इसे किसी सुरक्षित प्राकृतिक आवास में पहुंचा दे।

वडोदरा की सड़क पर दिखा 9 फीट लंबा मगरमच्छ

कल रात शहर की आलीशान और पॉश वासना-भयाली रोड पर स्थित गैलेक्सी बंगलो में विशाल मगरमच्छ घुस गया। जब 9 फीट लंबा यह मगरमच्छ सोसाइटी की अंदरूनी सड़क पर आराम से घूमता हुआ दिखा, तो वहां रहने वाले लोग बुरी तरह डर गए। बंगले के बाहर मगरमच्छ को देखकर लोगों में अफरातफरी और दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत जीवदया संस्था गौ रक्षा सेवा समिति और वन विभाग को इसकी सूचना दी। वन विभाग और संस्था की प्रोफेशनल टीम तुरंत मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद 9 फीट लंबे इस विशाल मगरमच्छ को रेस्क्यू कर पिंजरे में बंद किया।

अयोध्या राम मंदिर: ट्रस्ट ने चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा की वीआईपी आईडी की बंद, आउटसोर्सिंग पर भी लगी रोक!

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। इस्तीफे के साथ-साथ उन दोनों से वीआईपी आईडी देने का अधिकार खत्म कर लिया गया। राम मंदिर ट्रस्ट ने चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा की वीआईपी दर्शन पास बनाने वाली आईडी बंद कर दी। इसके साथ ही अब तीनों के पास आईडी से कोई वीआईपी पास जारी करने का अधिकार खत्म कर दिया गया। दरअसल, पहले रिकमेंडेशन के जरिए श्रद्धालुओं को वीआईपी आईडी से सुगम दर्शन और विशिष्ट दर्शन पास जारी किए जाते थे। रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव इस पास के जरिए सैंकड़ों पास जारी करवाता था। चंपत राय और अनिल मिश्रा के करीबी पास के जरिए भी भक्तों को ऐंठने का गोरखधंधा चला रहे थे और लाखों की कमाई कर रहे थे। यह मामला सामने आते ही तीनों का वीआईपी आईडी बंद कर दी गई।

राम मंदिर चढ़ावा मामले के बाद कर्मचारी आउटसोर्स नहीं किए: राम मंदिर दान प्रकरण में 8 आरोपियों की गिरफ्तारी के विवाद के बाद मंदिर ट्रस्ट ने कोई नया आउटसोर्स कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के सूत्रों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बाद एक आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती की थी। इन कर्मचारियों को मुख्य रूप से हाउसकीपिंग स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था। राम मंदिर ट्रस्ट का प्राथमिक बैंक खाता एसबीआई शाखा में है, जहां जांचकर्ता मामले में बैंक अधिकारियों की संभावित भूमिका की जांच कर रहे हैं। पुलिस द्वारा शाखा प्रबंधक से पूछताछ करने और जांच के तहत उनका बयान दर्ज करने की संभावना है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भर्ती के लिए किसी विशेष योग्यता वाले कर्मियों की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि आउटसोर्स कर्मचारियों को नकदी गिनने का काम नहीं सौंपा गया था। बैंक सूत्रों ने यह भी बताया कि आउटसोर्स किए गए कर्मचारी कथित तौर पर केवल मुड़े हुए नोटों को सीधा करने और उन्हें उचित बंडलों में व्यवस्थित करने के लिए ही जिम्मेदार थे।

एसबीआई बैंक के कर्मचारियों ने की गिनती: नकदी की वास्तविक गिनती एसबीआई बैंक के कर्मचारियों द्वारा की गई थी। उनकी भूमिका केवल दान पेटियों में डालने से पहले भक्तों द्वारा मोड़े गए नोटों को सीधा करने और व्यवस्थित करने तक सीमित थी। नकदी की गिनती एसबीआई कर्मियों द्वारा अत्याधुनिक मुद्रा गिनती मशीनों का उपयोग करके की गई थी। ये मशीनें 500 रुपए, 200 रुपए और 100 रुपए जैसे मिश्रित मूल्यवर्ग के नोटों को स्वचालित रूप से अलग कर सकती थीं, साथ ही नकली नोटों का पता भी लगा सकती थीं।

दिल्ली नगर निगम ने 13 स्कूलों का किया विलय, कई बाल-बालिका विद्यालय होंगे कोएड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शिक्षा विभाग के तहत संचालित 13 स्कूलों के विलय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत करोल बाग, नरेला और शाहदरा उत्तरी जोन के कई अलग-अलग बाल व बालिका विद्यालयों को मिलाकर कोएड (सहशिक्षा) स्कूल बनाया जाएगा। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगी। बताया जा रहा है कि स्कूलों में छात्रों की कमी के कारण ऐसा किया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि करोल बाग जोन में सबसे अधिक आठ स्कूलों का विलय किया गया है। इनमें रमेश नगर, मोती नगर, मोतिया खान, सुदर्शन पार्क, दशघरा, वेस्ट पटेल नगर, चुन्ना भट्टी और जेजे शादीपुर के स्कूल शामिल हैं। नरेला जोन में पल्ला, नांगल ठाकरान, चांदपुर और जेजे सवादा के स्कूलों का विलय किया गया है, जबकि शाहदार उत्तरी जोन में आवासीय परिसर स्थित एक स्कूल का विलय किया गया है।

स्कूलों के विलय के बाद संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा: अधिकारी: वहीं, सभी जोनल उप शिक्षा निदेशकों (डीडीई) को 15 जुलाई तक विलय की प्रक्रिया पूरी कर अनुपालन रिपोर्ट मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, स्कूल रिकार्ड को निदेशालय के पोर्टल पर अपडेट करने और विलय के बाद अतिरिक्त होने वाले प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, विशेष शिक्षकों, स्कूल सहायक, पर्यावरण सहायक और चौकीदारों के समायोजन का प्रस्ताव भी तैयार करने को कहा गया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि स्कूलों के विलय के बाद संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।

सिलीगुड़ी में टीएमसी कार्यालय पर गरजा बुलडोजर, बांध की जमीन को कराया गया मुक्त

सिलीगुड़ी (कोलकाता), एजेंसी। सिलीगुड़ी में नदी के बांध पर कब्जा कर बनाए गए तृणमूल कांग्रेस कार्यालय पर गुरुवार को बुलडोजर चला। आरोप है कि वार्ड नंबर 47 में पंचनई नदी के बांध पर कब्जा कर इस कार्यालय को बनाया गया था। गुरुवार सुबह से ही भारी पुलिस बल की सुरक्षा में नगर निगम के अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की।

पंजाब कांग्रेस में आर-पार पूर्व CM चन्नी और रंधावा से मिलेंगे भूपेश बघेल, बैठक से राजा वड़िंग को रखा दूर

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में चल रहे घमासान में अब पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और सांसद सुखजिंदर रंधावा प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल संग बैठक के लिए तैयार हो गए हैं। शुक्रवार को यह बैठक संभावित है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि चन्नी ने बड़ी शर्त रखी है कि इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग शामिल नहीं होंगे और मीटिंग कांग्रेस भवन में नहीं, किसी अन्य जगह होगी। चंडीगढ़ में वीरवार को विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पर हुई बैठक में चन्नी समर्थक सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक परगट सिंह, बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा, पूर्व विधायक भारत भूषण आशु, बरिंदर ढिल्लों सहित करीब दस नेताओं ने दो घंटे बैठक की।

भूपेश बघेल के साथ बैठक का लिया फैसला: रंधावा : बैठक के बाद रंधावा ने कहा कि सर्वसम्मति से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बैठक का फैसला लिया है। बघेल ने भी बैठक होने की पुष्टि की है। बैठक में चन्नी व रंधावा चुनाव समिति की सूची को लेकर आपत्ति बघेल के समक्ष रखेंगे। विधायक परगट सिंह ने कहा कि पार्टी में कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, जिन्हें प्रभारी के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट है और हमारा लक्ष्य 2027 के चुनाव में सत्ता में वापसी करना है। बैठक के बाद विधायक राणा गुरजीत सिंह ने भी कहा कि हाईकमान से ऊपर कोई नहीं है। उधर, प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा सब को बात रखने का हक है।

चौथे दिन बघेल ने की पूर्व मुख्यमंत्री भट्ठल से मुलाकात

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल के पांच दिवसीय दौरे का चौथा दिन भी बैठकों के बीच गुजरा। सुबह बघेल ने विधायक तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा के घर बैठक की। इसके बाद पंजाब भवन में यूथ कांग्रेस के नए प्रधान और अन्य सदस्यों के साथ बैठक हुई। रजिंदर कौर भट्ठल से मुलाकात की। शाम को भी कई नेताओं के घर बैठकों का दौर चला। दौरे के आखिरी दिन शुक्रवार को चन्नी खेमे के साथ बैठक सही रही तो बघेल शाम को दिल्ली रवाना होंगे और हाईकमान की अपनी रिपोर्ट देंगे।

भारतीय मूल के नीरव शाह अमेरिका में सीनेट चुनाव की दौड़ में शामिल, मेन राज्य से पेश की दावेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के और महामारी विज्ञानी (एपिडेमियोलॉजिस्ट) नीरव डी शाह ने अमेरिका के मेन राज्य से सीनेट चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने यह फैसला डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार ग्राहम प्लैटनर के नाम वापस लेने के बाद लिया। प्लैटनर ने यौन शोषण के आरोपों के बीच बुधवार को अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी, हालांकि उन्होंने इन आरोपों को झूठा बताया है। राज्य के कानून के अनुसार, मेन डेमोक्रेटिक पार्टी के पास नया उम्मीदवार तय करने के लिए 27 जुलाई तक का समय है। प्लैटनर के हटने के बाद ट्रॉय जैक्सन ने भी अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है, जो पहले गवर्नर पद की रेस में थे।

'सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा' का वादा: नीरव शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ङ्क) पर अपनी मुहिम की शुरुआत की। उन्होंने लिखा कि वह 'सभी के लिए मेडिकेयर' (स्वास्थ्य सेवा) की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर देश में किसी भी व्यक्ति को इलाज के खर्च के कारण दिवालिया नहीं होना चाहिए। शाह ने पारंपरिक राजनेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि हमें रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कोलिन्स को हराने के लिए एक बाहरी व्यक्ति की जरूरत है। 73 वर्षीय कोलिन्स साल 1997 से मेन राज्य से सीनेटर हैं। विस्कॉन्सिन में जन्मे नीरव शाह कोविड-19 महामारी के दौरान मेन सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) के निदेशक थे।

ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है ईरान इस्राइल के दावे से हड़कंप पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि इस्राइल की सरकार ने अमेरिका के साथ एक खुफिया सूचना साझा की है। इस सूचना के तहत ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की साजिश रच रहा है। अगर इस्राइल की इस खुफिया सूचना की पुष्टि होती है तो यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही तनाव बढ़ा हुआ है और दोनों तरफ से एक दूसरे के ठिकानों पर हवाई हमले किए जा रहे हैं।

कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना चाहता है ईरान: ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर ने कुद्स फोर्स के पूर्व कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने की कसम खाई हुई है। कासिम सुलेमानी की हत्या डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में हुई थी। चूंकि ट्रंप ने ही कासिम सुलेमानी की हत्या के लिए ड्रोन हमले का आदेश दिया था, इसलिए ईरान की आईआरजीसी सेना ट्रंप को इसके लिए जिम्मेदार मानती है। वहीं बीती 28 फरवरी को अमेरिकी हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ट्रंप ईरान के चरमपंथियों की हिटलिस्ट में पहले नंबर पर हैं। एक अन्य अमेरिकी अखबार सीएनएन ने भी इस रिपोर्ट की पुष्टि की है और दावा किया है कि इस सप्ताह ही इस्राइल की तरफ से अमेरिका को खुफिया सूचना दी गई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां भी ऐसे खतरे को लेकर सतर्क हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ट्रंप की ईरान के खिलाफ फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित करने के लिए भी इस्राइली खुफिया एजेंसियां ऐसा आकलन कर सकती हैं।

ट्रंप भी कह चुके- उनकी जान को खतरा है: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार कह चुके हैं कि ईरान की तरफ से उनकी जान को खतरा है। तुर्किए के अंकारा में नाटो सम्मेलन से इतर मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'वे अमेरिकी नेताओं की जान लेना चाहते हैं और मुझे भी मारना चाहते हैं। मैं उनकी हिट लिस्ट में शीर्ष पर हूं। ट्रंप ने कहा कि मैं इस मामले में अभी तक भाग्यशाली रहा हूं, लेकिन हो सकता है कि ज्यादा समय तक भाग्य मेरा साथ न दे।'

बेटी इवांका को मारने की साजिश का हुआ था भंडाफोड़: ऐसा नहीं है कि ईरान की तरफ से सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप को ही खतरा है। बीते माह अमेरिका से एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था। दावा किया गया कि वह शख्स ट्रंप की बेटी इवांका को मारने की साजिश रच रहा था। आरोपी मोहम्मद बाकर साद दाउद अलग सादी के पास से इवांका के घर का नक्शा भी बरामद किया गया था। आरोपी इराक का नागरिक है और ईरान की आईआरजीसी ने उसे ट्रेनिंग दी थी। जांच में पता चला था कि कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए आरोपी इवांका को मारना चाहता था।

ईरान के बुशहर समेत कई दक्षिणी इलाकों में तेज धमाके

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि इस्राइल ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया कि उनके पास खुफिया जानकारी है कि ईरान ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। हालांकि अमेरिका या ईरान की सरकार की तरफ से इन रिपोर्ट को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। हालांकि वॉशिंगटन पूर्व में दावा कर चुका है कि ईरान ने कई बार ट्रंप को मारने की कोशिश की। हाल ही में अंकारा में आयोजित नाटो सम्मेलन में भी ट्रंप ने ईरान से अपनी जान को खतरा बताया था।

लेह में शिया समुदाय ने अयातुल्ला अली खामेनेई को दी श्रद्धांजलि: लेह में शिया समुदाय के सदस्यों ने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिनकी 28 फरवरी को ईरान पर इजरायली और अमेरिकी हवाई हमलों के दौरान मृत्यु हो गई थी। अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम नमाज-ए-जनाजा (अंतिम संस्कार की प्रार्थना) आज उनके गृह नगर मशहद, ईरान के इमाम रजा दरगाह में संपन्न हुई।

प्रशंसकों ने किया प्रतीकात्मक समारोह का आयोजन: लेह के मजलिस-ए-उलेमा (उलेमा समिति) के अध्यक्ष शेख जैनुल आबिदीन ने दिवंगत नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज उस महान और पूजनीय व्यक्तित्व को अंतिम विदाई दी जा रही है। लेह में उनके प्रशंसकों और समर्पित अनुयायियों ने एक प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार समारोह का आयोजन किया है। शेख जैनुल आबिदीन ने बताया कि चूंकि हम सीधे तौर पर ईरान में हुए अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सकते थे, इसलिए हमने यहां यह प्रतीकात्मक व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि आज उत्पीड़ितों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले नेता और मार्गदर्शक हमारे बीच नहीं रहे। लेकिन यह अंत नहीं है। जहां एक नेता गए हैं, वहीं अब हजारों अन्य नेता उभर कर सामने आए हैं।

अमेरिका ने हमले से किया इनकार

ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है ईरान, इस्राइल ने दी खुफिया जानकारी: अल जजीरा ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया है कि, इस्राइल ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को बताया कि उसके पास ऐसी खुफिया जानकारी है जिससे पता चलता है कि ईरान उनके खिलाफ हत्या का प्रयास करने की योजना बना रहा है। सीएनएन ने भी बताया कि यह एक खास हमले की योजना थी। हालांकि, अमेरिका और ईरान ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप ने हाल ही में नाटो शिखर सम्मेलन में कहा था कि वह ईरान की हिट लिस्ट में हैं।

ट्रंप की चेतावनी के बीच कूटनीतिक प्रयास तेज: इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि युद्धविराम समझौता अब खत्म हो चुका है। उन्होंने ईरान के बिजली घरों और तेल निर्यात वाले खार्ग द्वीप को निशाना बनाने की धमकी दी है। इसके जवाब में ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कलीबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका हमला करेगा, तो उसे भी करारा जवाब मिलेगा। इस बीच, तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास भी शुरू हो गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी अरब, तुर्किये, ओमान और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख से फोन पर बात की है ताकि युद्ध को दोबारा शुरू होने से रोका जा सके।

अमेरिका ने ईरान के 90 ठिकानों को बनाया निशाना: अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने ईरान में हवाई पट्टी, मिसाइल लॉन्चर और पुलों सहित 90 ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। युद्धविराम के बाद इस समुद्री रास्ते से जहाजों की आवाजाही बढ़ी थी। जून में कम से कम 576 जहाज इस रास्ते से गुजरे, जबकि मई में यह संख्या केवल 233 थी। अमेरिकी हमलों ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के रास्ते में आने वाले पुलों को भी नुकसान पहुंचाया है। ईरान का दावा, अमेरिकी हमलों में 14 लोगों की मौत ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दो दिनों के अमेरिकी हमलों में14 लोगों की मौत हुई है और 78 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में ज्यादातर सैनिक हैं। कुवैत की सेना ने तीन बैलिस्टिक मिसाइलों, एक क्रूज मिसाइल और 10 ड्रोनों को मार गिराया। मलबे की चपेट में आने से वहां एक व्यक्ति घायल हो गया।

कौन हैं स्पेस स्टेशन जाने वाले डॉ अनिल मेनन भारत के इस अभियान में रहे हैं शामिल

03बैकोनूर, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। इस मिशन के दौरान वह कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे, जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल जैसे गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय मूल के माता-पिता के घर जन्मे अनिल मेनन एक इमरजेंसी मेडिसिन फिजिशियन और अमेरिकी स्पेस फोर्स में कर्नल हैं। अमेरिकी एयर फोर्स में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अफगानिस्तान में 'ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम' के तहत फ्रंटलाइन पर सेवाएं दीं। इसके अलावा उन्होंने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के साथ भी काम किया, जहां माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई।

भारत से उनका जुड़ाव कितना खास रहा: 49 वर्षीय मेनन ने भारत में रोटरी एंबेसडेरियल स्कॉलर के रूप में एक वर्ष बिताया। इस दौरान उन्होंने पोलियो टीकाकरण अभियानों का अध्ययन किया और उनमें सक्रिय सहयोग भी दिया। अनिल मेनन, कॉस्मोनॉट प्योत्र दुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ रोस्कोस्मोस के सोयुज रूस-29 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। मेनन ने वर्ष 2014 में फ्लाइट सर्जन के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहने और काम करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के साथ काम किया। वर्ष 2018 में वह जुड़े, जहां उन्होंने कंपनी का मेडिकल प्रोग्राम शुरू किया। उन्होंने पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्टारशिप के विकास पर भी करीब से काम किया। स्टारशिप एक सुपर हेवी रॉकेट और अंतरिक्ष यान है, जिसे चंद्रमा, मंगल और उससे आगे के मिशनों के लिए विकसित किया जा रहा है। दिसंबर 2021 में अनिल मेनन का चयन अंतरिक्ष यात्री के रूप में किया। इसके बाद अगले महीने उन्होंने दो वर्ष का कठोर अंतरिक्ष प्रशिक्षण शुरू किया।

उनकी पत्नी भी क्यों हैं चर्चा में: मेनन की पत्नी अन्ना विल्हेम भी अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने सितंबर 2024 में द्वारा संचालित निजी मानव अंतरिक्ष मिशन 'पोलारिस डॉन' के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। यह मिशन लगभग पांच दिनों तक चला था।

ढ्डस्स् पर अनिल मेनन कौन-कौन से प्रयोग करेंगे: इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहते हुए मेनन लंबी अवधि की अंतरिक्ष उड़ानों के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करेंगे। वह यह जांच करेंगे कि माइक्रोग्रैविटी अंतरिक्ष यात्रियों में रक्त प्रवाह, नसों की संरचना और रक्त की बनावट को किस तरह प्रभावित करती है।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विकसित सीधी का रोडमैप तैयार करने पर जोर

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल बोले- विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए योजनाबद्ध विकास जरूरी, जनप्रतिनिधियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में जिले के समग्र, समावेशी और दीर्घकालीन विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई विभिन्न विभागों की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए बैठक में जनप्रतिनिधियों, समिति के सदस्यों और अधिकारियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, अधोसंरचना तथा पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास को लेकर अपने सुझाव रखे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए प्रत्येक जिले का योजनाबद्ध और संतुलित विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया गया है जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है समिति केवल सुझाव देने का मंच नहीं बल्कि जिले के भविष्य की विकास दिशा तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम है उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर 'विकसित सीधी' का व्यापक रोडमैप तैयार किया जाएगा ताकि जिले के विकास को दीर्घकालीन और टिकाऊ स्वरूप दिया जा सके। प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं उन्होंने नगरीय निकायों को वर्षा ऋतु के दौरान साफ-सफाई, जल निकासी व्यवस्था, नालियों की नियमित सफाई तथा स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानसून के दौरान जलजनित एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता, आवश्यक जांच सुविधाएं, चिकित्सकीय दलों की सक्रियता और जनजागरूकता अभियान सुनिश्चित किए जाएं ताकि लोगों को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए विभागीय समन्वय के साथ नवाचार और जनभागीदारी को बढ़ावा देकर विकास कार्यों को गति देने पर भी उन्होंने जोर दिया। बैठक में सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सीधी जिले को भी विकास के नए मानक स्थापित करने होंगे इसके लिए अभी से दीर्घकालीन योजना बनाकर कार्य करना आवश्यक है। सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी तथा गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि उनका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। वहीं धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने सुझाव दिया कि विकसित सीधी के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत का अलग विकास रोडमैप तैयार किया जाए इससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं बनाई जा सकेंगी और ग्रामीण क्षेत्रों का संतुलित विकास संभव होगा पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी ने जिले के समग्र विकास के लिए माइक्रो और मैक्रो स्तर पर योजनाबद्ध कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन दृष्टिकोण अपनाकर विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान सहित समिति के अन्य सदस्यों ने भी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, पर्यटन, अधोसंरचना और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए बैठक के अंत में कलेक्टर विकास मिश्रा ने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें जिला विकास कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री के निर्देशों के अनुरूप सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करेंगे और जिले के विकास को नई गति देने के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

त्रिमुला इंडस्ट्रीज पर प्रदूषण कार्रवाई, उत्पादन बंद करने का प्रस्ताव भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सिंगरौली जिले के गोंदवाली स्थित त्रिमुला इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की है उद्योग में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने के बाद उत्पादन प्रक्रिया बंद कराने का प्रस्ताव बोर्ड मुख्यालय भोपाल भेजा गया है इसके साथ ही उद्योग पर करीब 19.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाने की अनुशंसा भी की गई है। त्रिमुला इंडस्ट्रीज जिले की प्रमुख लौह एवं इस्पात इकाइयों में शामिल है, जहां स्पंज आयरन (डीआरआई) और एमएस बिलेट का उत्पादन किया जाता है उद्योग का संचालन वर्ष 2007 से किया जा रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने 9 जुलाई को उद्योग का निरीक्षण किया था जांच के दौरान सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली में पीएम-10 और पीएम-2.5 का स्तर निर्धारित मानकों से अधिक पाया गया वहीं पावर प्लांट के पास स्थापित CAAQMS का पीएम-10 एनालाइजर बंद मिला निरीक्षण में डीआरआई प्लांट के ईएसपी (इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर) और एयर कंप्रेसर पूरी क्षमता से संचालित नहीं पाए गए इसके कारण चिमनी से अधिक मात्रा में काला धुआं निकलने की स्थिति सामने आई इसके अलावा प्रोडक्शन हॉपर से फ्यूजिटिव उत्सर्जन, खुले में फ्लाई आयरन डस्ट और ठोस अपशिष्ट का भंडारण जैसी कमियां भी पाई गईं जांच में यह भी सामने आया कि खतरनाक अपशिष्ट के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी और कई श्रमिक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए नहीं पाए गए।

चमराडोल को मिली 44 लाख रुपये की विकास सौगात, प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को धौहनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चमराडोल में 44 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण किया इस अवसर पर धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने 35 लाख रुपये की लागत से निर्मित हाट बाजार भवन तथा 9 लाख रुपये की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर इन्हें क्षेत्रवासियों को समर्पित किया उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी हाट बाजार भवन के निर्माण से स्थानीय व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा वहीं सामुदायिक भवन सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक गतिविधियों के लिए उपयोगी केंद्र बनेगा। प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ, वनांचल और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चमराडोल क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 314 आवास तथा पीएम जनमन योजना के तहत 286 आवास निर्मित किए जा चुके हैं इसके अलावा नवीन सर्वेक्षण में 138 नए पात्र हितग्राहियों को चिन्हित किया गया है क्षेत्र के 370 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है जबकि 695 महिलाओं को लाड़ली बहना योजना के माध्यम से प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। प्रभारी मंत्री ने बताया कि गांव में 236 परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं तथा 1,958 आयुष्मान कार्ड बनाकर पात्र परिवारों को निःशुल्क उपचार की सुविधा से जोड़ा गया है इसके अलावा संबल योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को दिया जा रहा है। धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और आजीविका के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम परसिली की उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायतों की जांच कर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सेमरिहा की कटहल प्रसंस्करण इकाई बनी महिला सशक्तिकरण की मिसाल, ग्रामीण महिलाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड मझौली के ग्राम सेमरिहा में संचालित कटहल प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक नई पहल बनकर उभर रही है। शुक्रवार को मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने इस इकाई का निरीक्षण किया। इस दौरान धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम भी मौजूद रहे।

यह प्रसंस्करण इकाई इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईएलआरटी) तथा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत सीधी के सहयोग से संचालित भू-दृश्य पुनर्स्थापन, मूल्य श्रृंखला एवं बाजार विकास प्रणाली परियोजना के अंतर्गत स्थापित की गई है निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने इकाई में लगी मशीनों, उत्पादन प्रक्रिया और मूल्य संवर्धन से जुड़े कार्यों का अवलोकन किया उन्होंने उत्पादक समूह की अध्यक्ष मौसम सिंह से इकाई के संचालन, तकनीकी प्रक्रिया और भविष्य की उत्पादन योजनाओं की जानकारी ली उन्होंने समूह की महिलाओं

द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला प्रयास बताया।

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्थानीय संसाधनों पर आधारित ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा दे रही है उन्होंने कहा कि सेमरिहा जैसे दूरस्थ गांव में कटहल प्रसंस्करण इकाई की स्थापना यह साबित करती है कि स्थानीय उत्पादों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर गांवों में ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं उन्होंने कहा कि पहले जो कटहल केवल घरेलू उपयोग तक सीमित रह जाती थी, वही अब महिलाओं की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का माध्यम बन रही है ऐसी इकाइयां महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी गति प्रदान करेंगी प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार महिला उत्पादक समूहों को तकनीकी प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी उन्होंने प्रदेश में ऐसी और अधिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर जोर दिया। धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि स्व-सहायता समूह और उत्पादक समूह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन रहे हैं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समूहों के पास कार्यस्थल, भवन या आवश्यक सुविधाओं का अभाव है उनका सर्वे कर आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं कटहल प्रसंस्करण इकाई में वर्तमान में कटहल चिप्स, कटहल पाउडर और कटहल पल्प जैसे मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण का परीक्षण किया जा रहा है परीक्षण सफल होने के बाद इनका व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया जाएगा ।

सीधी जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल, पत्रकारों के सवालों से बचते नजर आए प्रभारी मंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल शुक्रवार देर रात जिला पंचायत सभागार में समीक्षा बैठक के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर पूछे गए सवालों पर जवाब देने से बचते नजर आए। पत्रकारों ने जिला अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं और पिछले तीन साल में एक बार भी निरीक्षण नहीं करने को लेकर सवाल किए जिस पर मंत्री ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा 'अब करेंगे' और आगे बढ़ गए। समीक्षा बैठक समाप्त होने के बाद जब पत्रकारों ने प्रभारी मंत्री से जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं, मरीजों की समस्याओं और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल पूछे तो वह विस्तृत जवाब दिए बिना वहां से निकल गए प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्रकार करीब 200 मीटर तक उनके साथ चलते रहे और अस्पताल से जुड़े मुद्दों पर जानकारी चाही लेकिन मंत्री ने कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी। इस दौरान उन्होंने कहा 'आप मेरा रास्ता नहीं रोक सकते' और आगे बढ़ गए।

सीधी जिला अस्पताल पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच जिला अस्पताल में 53 गर्भवती महिलाओं की मौत के मामले ने गंभीर सवाल खड़े किए थे इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव से रिपोर्ट तलब की है। मामले के बाद जिला अस्पताल में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, समय पर उपचार और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर सवाल उठाए गए हैं जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं को लेकर इससे पहले भी कई विवाद सामने आ चुके हैं कुछ समय पूर्व जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे के चेहरे पर शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे द्वारा कालिख पोतने की घटना सामने आई थी इसके बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चाएं हुई थीं अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, मरीजों को रेफर किए जाने की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर कांग्रेस, शिवसेना, आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न संगठनों द्वारा समय-समय पर प्रदर्शन किए जाते रहे हैं।

चितरंगी रिकॉर्ड रूम में दो बाहरी लोग दस्तावेज खंगालते दिखे, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

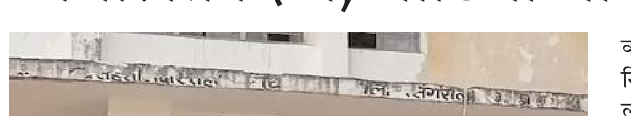

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की चितरंगी तहसील के गोपनीय अभिलेखागार (रिकॉर्ड रूम) में दो बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश और सरकारी दस्तावेज खंगालने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तहसील प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और रिकॉर्ड की गोपनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में ग्राम खटाई निवासी बिजली कंपनी के ऑपरेटर अफ्फार अली और उनके साथी रज्जाक अली रिकॉर्ड रूम के अंदर टॉर्च की रोशनी में दस्तावेज तलाशते हुए दिखाई दे रहे हैं बताया जा रहा है कि दोनों व्यक्तियों के जमीन से जुड़े कुछ मामले तहसील और उपखंड न्यायालय में विचाराधीन हैं। वीडियो सामने आने के बाद आरोप लगाए जा रहे हैं कि दोनों व्यक्तियों ने अपने मामलों से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी हासिल करने के लिए रिकॉर्ड रूम तक पहुंच बनाई स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि इस मामले में तहसील के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत भी हो सकती है हालांकि वीडियो किस तारीख का है और रिकॉर्ड रूम में प्रवेश की अनुमति किस आधार पर दी गई थी इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। नियमों के अनुसार सरकारी रिकॉर्ड रूम में रखे राजस्व अभिलेख अत्यंत महत्वपूर्ण और गोपनीय दस्तावेज होते हैं आम लोगों या बाहरी व्यक्तियों का बिना अनुमति रिकॉर्ड रूम में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है ऐसे में वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने सरकारी दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है चितरंगी तहसीलदार नागेश्वर पनिका ने मामले पर कहा कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति एक सरकारी कर्मचारी है जो लगभग एक साल बाद सेवानिवृत्त होने वाला है ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/1976/राजस्व/न.पा.नि./ 2026 — रीवा दिनांक 10/07/2026

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्ननिखित अचल सम्पति को नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये है । उक्त संबध मे किसी को कोई आपत्ति हो तो,इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवश के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा मे प्रमाणित अभिलेखो के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे । निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नही की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

क्र.	प्रकरण क्र.	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण ग्रहिता	नामांतरण का आधार
1.	657	44/907 चिरहुला कालोनी,जिला –रीवा (म.प्र.)	श्रीमती शबाना अंजुम पति श्री मुनीर अहमद	स्नेहा पाण्डेय	क्रय– विक्रय
2	637	26/121 पाखोरी टोला, अम्बेडकर नगर, समान जिला– रीवा (म.प्र.)	श्री रामलखन वर्मा पिता श्री शारदा वर्मा	श्रीमती देववती वर्मा पति स्व0 श्री रामलखन वर्मा एवं श्री राजनारायण वर्मा, अनिल कुमार वर्मा, विजय कुमार वर्मा तीनो के पिता स्व0श्री रामलखन वर्मा	वारिसाना
3	643	16/ 1458/ 05 अमरदीप मैरिज गार्डेन के पास आदर्श नगर बरा, जिला– रीवा (म.प्र.)	श्रीमती जनक दुलारी शुक्ला पति श्री श्यामलाल शुक्ला	श्री सुनील कुमार शुक्ला पिता श्री श्यामलाल शुक्ला	वारिसाना
4	653	05/ 1761 पदमधर कालोनी ढेकहा,जिला– रीवा (म.प्र.)	श्रीमती सरोज पटेल पति श्री हीरालाल पटेल	श्रीमती गायत्री ताम्रकार पति श्री धर्मेंद्र कुमार ताम्रकार	क्रय– विक्रय
5	658	19/ 676 घोघर,जिला – रीवा (म.प्र.)	श्री गोपालदास पिता श्री सगतमल	श्रीमती भावना श्रीवास्तव पति श्री मनीष कुमार श्रीवास्तव	क्रय– विक्रय
6	652	44 /1034 चिरहुला , जिला रीवा (म0 प्र 0)	श्री रामकिशोर वर्मा पिता श्री राममनोहर वर्मा	श्रीमती सुभाषिनी रवि पति श्री किरण कुमार रवि	क्रय– विक्रय

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

सीधी में जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का आयोजन, प्राकृतिक खेती और कृषि विविधीकरण से आय बढ़ाने पर जोर

प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल बोले- किसान हितैषी योजनाओं से खेती बन रही लाभ का व्यवसाय, उत्कृष्ट

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत विकासखंड मझौली में जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया मेले में जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में किसान, महिला किसान, स्व-सहायता समूहों की सदस्याएं, कृषि वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, कृषि विविधीकरण, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत कम करने और खेती को आधुनिक एवं लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के माध्यम से पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खातों में उपलब्ध कराई जा रही है इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि यंत्रों पर अनुदान जैसी योजनाओं से किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि भूमि की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण पर भी ध्यान देना जरूरी है रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है ऐसे में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर बढ़ना चाहिए इससे खेत की उर्वरता बनी रहेगी और परिवार के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा प्रभारी मंत्री ने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ सब्जी उत्पादन, फलोद्यान, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन, बकरी पालन और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि कृषि विविधीकरण से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है और खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक विकासखंड में दुग्ध उत्पादकों की सुविधा हेतु दूध चिलिंग प्लांट स्थापित करने की आवश्यकता बताई साथ ही ग्रामीण युवाओं और किसानों से कृषि आधारित लघु एवं कुटीर उद्योग स्थापित करने की अपील की।

युद्धविराम के बाद युद्ध

संपादकीय

अमरीका और ईरान के दरमियान कथित युद्धविराम 20-21 दिन ही टिक सका। अंततः बीती 8 जुलाई को तड़के 3-4 बजे ही ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों पर अमरीका ने ताबड़तोड़ हमले कर उसे दहला दिया। खौफ, अस्थिरता और संभावित हमलों की एक लहर ने खाड़ी देशों में झनझनाहट पैदा कर दी। जो सामान्य होने की उम्मीद कर रहा था, उसे असामान्य हालात में झोंक दिया। विश्व कांप उठा। बेशक ये हमले अप्रत्याशित, अनसोचे थे। पलटवार में ईरान ने भी दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, जॉर्डन में करीब 85 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। बहरीन में अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर हमला किया गया। ओमान की खाड़ी में मौजूद अमरीकी जहाज को भी निशाना बनाकर क्षतिग्रस्त किया। बहरीन और कुवैत में बिजली की लाइन पर ऐसा हमला किया गया कि इलाका अंधेरे में डूब गया। अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास 3 शहरों पर हवाई हमले कर उन्हें दहला दिया गया, जबकि 10 से अधिक शहरों पर बम बरसाए गए। ईरान की महत्वपूर्ण बंदर अब्बास बंदरगाह की बिल्कुल तबाही की खबरें सामने आई हैं और वहां मौजूद कई जहाज क्षतिग्रस्त भी हुए हैं। हमलों में ईरान की आईआरजीसी की 60 से अधिक पॉवर बोट्स को भी तबाह करने का दावा किया गया है। ईरान के सैन्य ठिकानों, वायु रक्षा प्रणाली, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन के ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए। बुशहर के परमाणु केंद्र के पास भी विस्फोट किए गए। सिरिक बंदरगाह और केश्म द्वीप के तेल ठिकानों पर भी मिसाइलें मारी गईं। हमलों में 8 ईरानी सैनिक मारे गए हैं, यह भी खबर है। सारांश यह है कि ईरान युद्ध का एक और चरण थोपा जा रहा है। यह अहंकार और विनाश का युद्ध है। अमरीका ही नहीं, इजरायल ने भी ईरान पर हमले बोलने की तैयारियां कर ली हैं। वहां के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नया खुलासा किया है कि ईरान के पास 'रायानिक हथियार' हैं। ऐसे ही आरोप अमरीका ने इराक के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर लगाए थे कि इराक में जैविक, रासायनिक अस्त्र हैं, नतीजतन तबाही और मौतें व्यापक हो सकती हैं, लेकिन कुछ भी नहीं निकला और सद्दाम को फांसी पर लटका दिया गया।

बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया है कि युद्धविराम समाप्त हो गया है। उन्होंने ईरानियों को सनकी, धोखेबाज, झूठे, नीच, क्रूर आदि करार दिया है। ट्रंप ने ये अपशब्द अंग्रेजी में बोले हैं। कितना निचला स्तर है अमरीकी राष्ट्रपति का! ट्रंप का मानना है कि ईरान का नेतृत्व गलत हाथों में है, लिहाजा उससे बातचीत करना और समझौते की उम्मीद करना 'वक्त की बर्बादी' है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे। अब ईरान कहर झेलने को तैयार रहे। हम ईरान के तटों को 'नरक' बना देंगे। ट्रंप इतने अनिश्चित, अस्थिर हैं कि उनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, लेकिन युद्धविराम के बाद युद्ध के उनके आदेश और ऐलान के बाद ही कच्चे तेल की कीमत 6 फीसदी उछल गई।

विश्व-जनसंख्या-दिवस-विशेष

योगेश चौहान

11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के सन्दर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण ही हम सभी लोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे किशोरों को बोर्ड में शामिल कर रहे हैं। देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो गई है। हालाँकि पिछले दशकों में अलग-अलग डिज़ाइन के माध्यम से नए अमेरिकी नेशनल मिनिस्ट्रीज़ के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन भारी आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम यूरोप के मुँह में जीरा ही साबित हुए। देश में जनसंख्या और संरचना के बीच अनुपात बढ़ रहा है। वास्तविकता तो यह है कि पिछले दशकों में किसी भी देश की जनसंख्या के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था में उस गति से वृद्धि, उस गति से कोई भी सरकार सफल नहीं हो सकी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन साथी है। देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से गरीबी ही आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच है कि यहां उनके अधिकतर बच्चे रहेंगे, बाकी सभी लोग अपना हाथ बंटाएंगे, यह सोच वास्तविकता की प्रेरणा है। लगातार जनसंख्या के आधार पर परिवार बड़ा होने से एक हाथ ज्यादा होता है, उन्हें कहीं अधिक जरूरत होती है और अलग-अलग समूहों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। इसलिए कार्यक्रम कार्यक्रम की सफलता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब तक इस कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ असम्बद्ध कानून बनाने की मांग हो रही है, लेकिन इस दिशा में कुछ राज्यों में दो से अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी और स्थानीय संस्थागत नामांकन में उम्मीदवारी से अंतिम अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार किया जा रहा है, उन पर विचार नहीं किया जा सकता है। यद्यपि पारिस्थितिकीय वृद्धि स्थिर समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिए से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता है। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा होने की बात कही गई थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी मंजूरी से राष्ट्रपति कर दिया गया था, बल्कि सजा भी दी गई थी, लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसी तरह चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर टू चिल्ड्रन की ओर से दी और बाद में थ्री चिल्ड्रेन की ओर से जारी की गई। चीन की तानाशाही सरकार ने बहुमत में बड़ा बदलाव करते हुए डंप्टियों को तीन बच्चों की कीमत क्यों दी, इसकी वजह भी जरूरी है। वहां के लोगों की सामान्य उत्पत्ति दर में सांकेतिक गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यही स्थिति भारत में भी होनी है। समग्र में वास्तु और कार्यकलाप युवाओं की स्थिर गिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य उत्पत्ति दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर सामान्य रह रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में संख्या 1.6 थी और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई, जबकि युवाओं की आबादी बढ़ गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में जनसंख्या में अधिक आयु वाले लोगों की संख्या में वृद्धि से लेकर क्रमिक विकास और जनसंख्या तक की समस्या है। 1982 में हुई चीन की जनसंख्या में 2.1 प्रतिशत की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई थी, लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने दशकों पुरानी वन शालाओं को जिम्मेदार माना है। पिछले एक दशक में चीन की जनसंख्या में करीब सात करोड़ की बढ़ोतरी हुई लेकिन युवाओं की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या बनी हुई है। असली चीन को ख़तरा है कि अगले दस वर्षों में उसके पोर्टफोलियो में गिरावट आएगी, जिससे कि उसके हिस्से में कमी आएगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन चित्रों में संकट का सामना करना पड़ा, वह और गहरी होने की उम्मीद थी, इसी तरह चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने का मौका मिला। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य उत्पत्ति दर 3.4 थी, जो कि 2015 में 2.2 रही थी अर्थात सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक वृद्धि के बाद गिरावट शुरू होगी और 2100 तक विकास-पहुंचते सामान्य जन्म दर केवल 1.3 ही रहेगी।

हर साल बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

- मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढ़ांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है। यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 'लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और 'रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात् हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन ('आपदा के बाद राहत' से 'आपदा से पहले तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढ़लानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। कुल मिलाकर, हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है लेकिन उसके प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए आवश्यक है कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और प्रशासनिक ईमानदारी को एक साथ लेकर चलें। यदि अब भी हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो मानसून हमारे लिए हर वर्ष राहत के बजाय आफत बनकर आता रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, प्रशासन और समाज मिलकर एक दीर्घकालिक और ठोस रणनीति तैयार करें, तभी हम इस प्राकृतिक चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण दे सकते हैं।

हिंदू आधारित धर्म संस्कारों की शिक्षा पर धार्मिक शिक्षा

डॉ. मख्यचतुर्थी

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के दार्शनिक निर्णय उन सभी के लिए हैं, जो भारतीय हिंदू ज्ञान परंपरा और धर्म के मूल नैतिक सिद्धांतों पर भी प्रश्नोत्तरी रखते हैं। इसलिए यह एक सरकारी मान्यता प्राप्त वैधानिकता तक सीमित नहीं है जो मूल प्रश्न का उत्तर भी है, जिस पर लंबे समय से देश में बहस चल रही है कि क्या भारतीय संस्कृति और उसकी ज्ञान परंपरा को विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए या नहीं। वस्तुतः सरकारी कैथोलिक में सरस्वती वंदना,गायत्री मंत्र, गुरु मंत्र और शांति मंत्र के वचन संबंधित राज्य सरकार के निर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि संविधान में किसी भी तरह से 'सांप्रदायिक सिद्धांतों से असंबद्ध नैतिक शिक्षा' पर रोक नहीं लगाई गई है। यह टिप्पणी भारतीय शिक्षा व्यवस्था, संविधान और सांस्कृतिक विरासत के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्याख्या के रूप में जानी जानी चाहिए। कहा जाता है कि भारतीय शिक्षा की अवधारणा हमेशा 'सा विद्या या विमुक्तये' के सिद्धांत पर आधारित रही है। यहां शिक्षा का उद्देश्य रोजगार प्राप्त करने के साथ ही नागरिक तैयार करना है, जिसमें ज्ञान के साथ चरित्र, अनुशासन, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व भी शामिल है। इसी कारण गुरुकुल परंपरा से लेकर आधुनिक आश्रम तक प्रार्थना, शांति पाठ, गुरु वंदना और नैतिक विचारधारा का विशेष स्थान है। इनमें श्रेष्ठता का मूल उद्देश्य मनुष्य के अंदर श्रेष्ठ संस्कारों का विकास हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी अपने सिद्धांत में जो व्यवस्था लागू की, उसका घोषित उद्देश्य छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक स्वतंत्र और नैतिक विचारधारा से जोड़ा गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी स्पष्ट रूप से भारतीय ज्ञान, स्थानीय आधार और मूल्य शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग मानती है। ऐसे में राज्य सरकार का यह प्रयास व्यापक नीति के विस्तार पर विचार किया जा सकता है। इस व्यवस्था को संविधान के विवरण 14, 21, 25, 28, 29 और 30 के खंडों में तोड़कर धार्मिक शिक्षा का स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। उनका तर्क था कि सरकारी दस्तावेजों में ऐसे मंत्रों का वाचन अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को शामिल किया जा सकता है। यह उसका एक संवैधानिक प्रश्न था, जिसका उत्तर केवल भावनाओं के आधार पर देना संभव नहीं था, संविधान की भाषा और उद्देश्य ही दिया जा सकता था। उच्च न्यायालय के फैसले पर पुनर्विचार महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आवंटन 28(1) के कार्य में किसी भी विशेष धर्म के कर्मकांड, पूजा-पद्धति या धार्मिक सिद्धांतों की शिक्षा को लाभ पहुंचाया जाना शामिल है, धार्मिक शिक्षा, नागरिक एकता, सामाजिक समरसता और चरित्र निर्माण से संबंधित सांस्कृतिक सिद्धांतों को भी प्रतिबंधित माना जाएगा। न्यायालय ने यह भी पाया कि सरकारी आदेश में ऐसा कोई भी निर्देश नहीं है, जिससे किसी भी छात्र को उसके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। महत्वपूर्ण यह भी है कि आदेश में किसी भी छात्र के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए यह निर्णय भारतीय संस्कृति और भारतीय संविधान के बीच कृत्रिम मज़हबी पैदा होने वाली सोच पर भी आधारित है।

भारतीय परंपरा में गायत्री मंत्र को सद्बुद्धि की प्रार्थना, शांति मंत्र को संपूर्ण विश्व के कल्याण की कामना और सरस्वती मंत्र को ज्ञान के प्रति प्रार्थना का प्रतीक माना जाता है। इनका मूल भाव नैतिक और मानवीय है। उदाहरणार्थ केवल असामयिक धार्मिक दृष्टि से देखना भारतीय ज्ञान परंपरा की व्यापकता को सीमित कर दिया जाएगा। इस निर्णय का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से शुरू हुआ है। नई शिक्षा नीति टेक्नॉलॉजी इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे समग्र निर्माण बल उद्यमों पर है। भारतीय में ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, नैतिक परंपरा और संवैधानिकता, शिक्षा का सिद्धांत शामिल है। यदि बच्चों को केवल परीक्षा पास करने की मशीन बनाकर उनके प्रेरणास्त्रोत, करुणा, कृतज्ञता, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास न हो, तो शिक्षा अधूरी रहेगी। आज जब समाज अनेक सामाजिक उदाहरण, बहुभाषी हिंसा, नशे की प्रवृत्ति, डिजिटल पूर्वाग्रह और नैतिक संकट का सामना कर रहा है, तब समाज में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। किसी एक धर्म (हिन्दू) तक इसका मूल्य सीमित नहीं है, क्योंकि किसी भी धर्म के श्रेष्ठ सिद्धांत को साझा करना आवश्यक है। यदि भारतीय संस्कृति की सकारात्मक परंपराएं विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, एकाग्रता, कर्तव्यबोध और श्रेष्ठ संस्कृति की भावना विकसित करने में सहायक विशेषताएं हैं, तो उन्हें विवेक के बजाय विवेकपूर्ण दृष्टि से देखा जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी तरह की सोच का प्रतिनिधित्व करता है।

कोर्ट ने न तो संविधान की विचारधारा से सहमति जताई और न ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर संदेह की दृष्टि से देखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नैतिक शिक्षा और सांप्रदायिक शिक्षा में सांप्रदायिक अंतर है और दोनों को एक-दूसरे का पर्याय नहीं माना जा सकता है। दरअसल यह फैसला आगे छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा। यह भविष्य में शिक्षा, संस्कृति और संविधान से जुड़े अनेक विमर्शों के संदर्भ बिन्दु बना देगा। इससे यह संदेश भी जाता है कि भारतीय लोकतंत्र में संविधान और संस्कृति के विरोधी न विरोधी एक-दूसरे के समर्थक हैं। उनका उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करना समाज में आश्रम, आश्रम और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही यहां यह भी स्पष्ट हो गया है कि जो लोग भारतीय हिंदू धर्म एवं संस्कृति को आइने से देखते हैं, वे अपने दृष्टिकोण में विस्तार करते हैं, हिंदू धर्म के नैतिक मूल्य सर्व कल्याणकारी हैं, अर्थात वे प्रत्येक मनुष्य के जीवन को उत्तरोत्तर श्रेष्ठ दिशा में बढ़ाते हैं। यह किसी भी संप्रदाय, मत, पंथ, रिलीजन के सीमित लक्षण से परे हैं। इसलिए हिंदू धर्म के सभी सिद्धांत मनुष्य मात्र के हित के लिए हैं, वह सभी के लिए समान हितकारक हैं।

रिश्तों की नींव में दरार : जब विश्वास की जगह हिंसा ले लेती है, तब परिवार ही सबसे असुरक्षित हो जाता है

हाल ही में आगरा में सामने आए उस हृदयविदारक मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया, जिसमें एक महिला पर अपने पति की हत्या कर शव को बाथरूम के फर्श के नीचे दफनाने का आरोप है। यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं है, बल्कि हमारे समाज के बदलते मनोविज्ञान, पारिवारिक मूल्यों के क्षरण और रिश्तों में बढ़ती कटुता का गंभीर संकेत भी है। जिस घर को सुरक्षा, स्नेह और विश्वास का प्रतीक माना जाता है, वही यदि भय और हिंसा का केंद्र बन जाए तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

कांतिलाल मांडोत

आज का समय अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति, आर्थिक अवसरों और आधुनिक जीवनशैली का दौर है, लेकिन दूसरी ओर मानवीय संवेदनाएं और रिश्तों की गर्माहट लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही हैं। पति-पत्नी का संबंध भारतीय संस्कृति में सबसे पवित्र और विश्वासपूर्ण माना गया है। यह रिश्ता केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और अनेक भावनाओं का संगम होता है। जब इसी रिश्ते में अविश्वास, क्रोध, स्वार्थ और हिंसा प्रवेश कर जाते हैं, तब उसका परिणाम केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज की आत्मा को भी घायल करता है। पिछले कुछ महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों से पति या पत्नी द्वारा अपने जीवनसाथी की हत्या के कई मामले सामने आए हैं। कहीं अवैध संबंधों के कारण हत्या हुई, कहीं संपत्ति के विवाद ने रिश्ते खत्म कर दिए, तो कहीं लंबे समय से चले आ रहे घरेलू विवाद हिंसक रूप ले बैठे। इन घटनाओं ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ऐसा क्या बदल गया है कि जिन लोगों ने साथ जीने-मरने की कसमें

खाई, वे एक-दूसरे के प्राण लेने तक पहुंच रहे हैं। यह भी सच है कि ऐसे अपराध समाज के अधिकांश परिवारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। देश में करोड़ों परिवार आज भी प्रेम, विश्वास और परस्पर सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं। लेकिन जब इस प्रकार की घटनाएं बार-बार सामने आती हैं, तो वे समाज के सामने गंभीर प्रश्न अवश्य खड़े करती हैं। क्या हमारी सहनशीलता कम हो रही है? क्या संवाद की जगह आक्रोश ने ले ली है? क्या छोटी-छोटी बातों का समाधान बातचीत से निकालने की बजाय हिंसा को आसान रास्ता समझा जाने लगा है? आधुनिक जीवन की भागदौड़, आर्थिक दबाव, बढ़ती अपेक्षाएं, मानसिक तनाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने पारिवारिक जीवन को प्रभावित किया है। पति-पत्नी दोनों कामकाजी हों या एक ही व्यक्ति परिवार की जिम्मेदारी निभा रहा हो, हर स्थिति में मानसिक दबाव पहले की तुलना में कहीं अधिक है। यदि इन परिस्थितियों में संवाद समाप्त हो जाए, एक-दूसरे को समझने का प्रयास खत्म हो जाए और अहंकार रिश्तों पर हावी हो जाए, तो विवाद गहराते चले जाते हैं। ऐसे विवादों का समाधान कानून, परिवार, परामर्श या आपसी बातचीत से निकल सकता है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकती। आगरा की घटना में जिस तरह शव को छिपाने का प्रयास किया गया, उसने लोगों को स्तब्ध कर दिया। यह घटना केवल हत्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसके बाद किए गए कथित प्रयासों ने भी समाज को विचलित किया। ऐसे मामलों में कानून अपना कार्य करता है और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दोषी या निर्दोष का निर्णय होता है। इसलिए किसी भी आरोपी को अंतिम रूप से दोषी मानना न्यायालय के निर्णय के बाद ही उचित होता है। फिर भी ऐसी घटनाएं यह अवश्य बताती हैं कि अपराध की मानसिकता कितनी भयावह हो सकती है। आज परिवारों में रिश्ते कभी-कभी सूत के धागे जैसे नाजुक प्रतीत होते हैं। छोटी-सी गलतफहमी, आर्थिक विवाद, संदेह या अहंकार वर्षों पुराने संबंधों को तोड़ देता है। पहले परिवार के बड़े-बुजुर्ग विवादों को बैठकर सुलझाते थे। संयुक्त परिवारों में संवाद के अधिक अवसर होते थे। अब एकल परिवारों के बढ़ने, सामाजिक दूरी और व्यस्त जीवनशैली के कारण कई लोग अपनी मानसिक परेशानियां भीतर ही भीतर दबाए रहते हैं। जब भावनाएं लंबे समय तक दबती रहती हैं, तो कभी-कभी उनका विस्फोट अत्यंत दुखद रूप में सामने आता है। यह भी आवश्यक है कि समाज किसी एक वर्ग या लिंग को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति से बचे। अपराध करने वाला व्यक्ति पुरुष भी हो सकता है और महिला भी। कानून की दृष्टि में अपराधी केवल अपराधी होता है। इसलिए किसी एक घटना के आधार पर पूरे समाज, किसी पीढ़ी या किसी लिंग के बारे में व्यापक निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपराध के कारणों को समझें और उन्हें रोकने के उपाय खोजें। आज मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। तनाव, अवसाद, गुस्सा और संबंधों में बढ़ती दूरी को समय रहते पहचानना और उनका समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि पति-पत्नी के बीच मतभेद हैं, तो परिवार, मित्र, विवाह परामर्शदाता या कानूनी प्रक्रिया की सहायता ली जा सकती है। अलग होना पड़े तो वह भी कानून के दायरे में और गरिमा के साथ होना चाहिए। तलाक एक वैधानिक प्रक्रिया है, जबकि हत्या मानवता और कानून—दोनों के विरुद्ध जघन्य अपराध है। मीडिया और सोशल मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। अपराधों की जानकारी समाज तक पहुंचाना आवश्यक है, लेकिन उनके सनसनीखेज चित्रण की बजाय यह भी बताया जाना चाहिए कि ऐसे अपराधों के पीछे कौन-से सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण काम करते हैं तथा उनसे बचाव कैसे किया जा सकता है। समाज को भय और सनसनी नहीं, बल्कि जागरूकता और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को बचपन से ही संवाद, सहनशीलता, नैतिकता और सम्मानजनक व्यवहार की शिक्षा देना समय की मांग है। परिवार केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का आधार होता है। यदि घरों में प्रेम, विश्वास और धैर्य का वातावरण बनेगा, तो समाज भी अधिक सुरक्षित और संवेदनशील बनेगा।

हर दिन दर्ज होने वाले हत्या, मारपीट, अपहरण और अन्य गंभीर अपराध निश्चित रूप से चिंता पैदा करते हैं। लेकिन इन घटनाओं के बीच यह याद रखना भी जरूरी है कि समाज में आज भी असंख्य लोग ईमानदारी, प्रेम और पारिवारिक मूल्यों के साथ जीवन जी रहे हैं। हमें उन्हीं सकारात्मक मूल्यों को मजबूत करना होगा, ताकि हिंसा की प्रवृत्ति को रोका जा सके। रिश्ते विश्वास से बनते हैं और विश्वास टूटने पर सबसे बड़ी क्षति केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की होती है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित, संवेदनशील और संस्कारित वातावरण में जीवन जीएं, तो हमें संवाद, धैर्य, परस्पर सम्मान और नैतिक मूल्यों को फिर से अपने पारिवारिक जीवन का आधार बनाना होगा। यही वह मार्ग है जो समाज को हिंसा से दूर और मानवीयता के निकट ले जा सकता है।

कोलारस पुलिस ने पकड़ी 22 पेटी अवैध शराब, बिना नंबर की कार जब्त, तस्कर फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की कोलारस थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 पेटी शराब और एक बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार जब्त की है पुलिस ने शराब और वाहन सहित कुल 3 लाख 86 हजार 10 रुपये का माल बरामद किया है कार्रवाई के दौरान कार चालक पुलिस को देखकर वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। कोलारस थाना प्रभारी उपनिरीक्षक पुनीत बाजपेयी ने बताया कि शुक्रवार, 10 जुलाई को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार में बड़ी मात्रा में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और ग्राम सेसई तिराहा कट के पास रणनीति के तहत घेराबंदी की गई घेराबंदी के दौरान एक बिना नंबर प्लेट वाली सफेद स्विफ्ट डिजायर कार संदिग्ध अवस्था में आती दिखाई दी पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक ने पुलिस की मौजूदगी देखकर कार रोक दी और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की लेकिन वह हाथ नहीं लग सका। इसके बाद पुलिस ने मौके पर कार की तलाशी ली तलाशी के दौरान वाहन से 19 पेटी देशी प्लेन शराब और 3 पेटी अंग्रेजी बीयर बरामद हुई पुलिस के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित कीमत 86 हजार 10 रुपये है जबकि बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार की अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये आंकी गई है। इस प्रकार कुल जब्त सामग्री का मूल्य 3 लाख 86 हजार 10 रुपये बताया गया है। पुलिस ने जब्त शराब और वाहन को अपने कब्जे में लेकर थाना परिसर में सुरक्षित रखवा दिया है मामले में थाना कोलारस में अपराध क्रमांक 245/26 दर्ज कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण कायम किया गया है थाना प्रभारी पुनीत बाजपेयी ने बताया कि फरार आरोपी की पहचान करने के लिए पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है साथ ही वाहन के इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर उसके स्वामित्व की जानकारी भी जुटाई जा रही है पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था इसके अलावा इस अवैध तस्करी के पीछे किसी संगठित गिरोह की भूमिका है या नहीं, इस पहलू की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है समय-समय पर सूचना मिलने पर विशेष कार्रवाई की जा रही है ताकि अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोलारस पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध शराब के निर्माण, परिवहन या बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा बैकुण्ठपुर (जिला कोरिया) में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन ने इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थियों से 31 जुलाई 2026 तक निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST-2027) का आयोजन 28 नवंबर 2026 को किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और निःशुल्क है अभ्यर्थी घर बैठे इंटरनेट सुविधा वाले मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं जिन विद्यार्थियों के पास ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध नहीं है वे अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर अथवा लोक सेवा केंद्र की सहायता से भी बिना किसी आवेदन शुल्क के पंजीयन करा सकते हैं। प्रवेश के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार छात्र वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए इसके अलावा अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच (दोनों तिथियां शामिल) होना अनिवार्य है निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले विद्यार्थियों के आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय देश के ग्रामीण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित किए जाते हैं यहां विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पुस्तकें, खेलकूद, प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं यही कारण है कि हर वर्ष नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए बड़ी संख्या में छात्र आवेदन करते हैं विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या विलंब से बचा जा सके।

पिपरिया में युवा कांग्रेस का मशाल जुलूस, नीट पेपर लीक और किसान मुद्दों को लेकर प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया में गुरुवार शाम युवा कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में मशाल जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक, राम मंदिर चंदा मामले और किसानों की मूंग खरीदी जैसे मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में निकाला गया मशाल जुलूस पचमढ़ी रोड से शुरू होकर इतवारा बाजार, रेलवे ओवरब्रिज और मंगलवार बाजार होते हुए नगर के मुख्य चौक पहुंचा यहां कार्यकर्ताओं ने नुक्कड़ सभा आयोजित कर अपने विचार रखे सभा को संबोधित करते हुए यश घनघोरिया ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है उन्होंने राम मंदिर चंदे से जुड़े मामले को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा वहीं किसानों की मूंग खरीदी पूरी नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कही। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हर्ष कटकवार ने कहा कि क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल बेचने के लिए परेशान हो रहे हैं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा प्रदर्शन में राहुल सिंह राठौड़, अनुज कटकवार, पवन चौधरी, नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज परिसर में वन महोत्सव, स्वास्थ्य मंत्री ने किया पौधरोपण, कहा- इसी वर्ष शुरू होगा मेडिकल कॉलेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर परसगढ़ी में शुक्रवार को आयोजित वन महोत्सव-2026 के तहत हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और विकास का अनूठा संगम देखने को मिला। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रीश्याम बिहारी जायसवाल ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए वर्ष 2023 का बोनस चेक वितरित किया तथा 'तुहर पौधा तुहर द्वार ' योजना के अंतर्गत पौधों के निःशुल्क वितरण के लिए विशेष वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने चंदन, मौलश्री, अशोक एवं आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव हैं उन्होंने बताया कि परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का संचालन इसी वर्ष प्रारंभ करने का लक्ष्य रखा गया है आधुनिक सुविधाओं से लैस यह संस्थान एमसीबी जिले के साथ सरगुजा संभाग, छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों तथा मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों और मरीजों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण से घिरा यह परिसर प्रदेश के सबसे आकर्षक मेडिकल कॉलेज परिसरों में अपनी अलग पहचान बनाएगा वनमंडलाधिकारी चन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि वन महोत्सव-2026 के दौरान जिले में 16 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा जबकि 'तुहर पौधा तुहर द्वार ' योजना के माध्यम से दो लाख पौधे नागरिकों को निःशुल्क वितरित किए जाएंगे उन्होंने बताया कि हरित संकल्प अभियान के तहत नागरिक पौधरोपण की तस्वीरें विभाग के व्हाट्सएप नंबर पर भेजकर अभियान में भाग ले सकते हैं उत्कृष्ट संरक्षण करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा ।

मोर गांव-मोर पानी अभियान' के तहत होगा विशाल जन सम्मेलन, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव-मोर पानी अभियान के तहत जिला एमसीबी में एक विशाल जन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण, ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन तथा आजीविका के नए अवसरों को बढ़ावा देना है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, ग्रामीणों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी जन सम्मेलन के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग के मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल होंगे कार्यक्रम में क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत तथा विधायक रेणुका सिंह अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर अभियान की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त करेंगी। मोर गांव-मोर पानी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देना, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करना, जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना तथा ग्रामीणों को रोजगार एवं आजीविका से जोड़ना है अभियान के माध्यम से गांवों में जल संरचनाओं के निर्माण, संरक्षण एवं विकास कार्यों को गति देने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर विशेष बल दिया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह जन सम्मेलन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम होगा कार्यक्रम में विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर संवाद तथा अभियान के आगामी कार्यों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की जाएगी जिला प्रशासन ने राष्ट्र निर्माण और समाज विकास से जुड़े इस महत्वपूर्ण आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को सादर आमंत्रित किया है। प्रशासन का कहना है कि मीडिया की सक्रिय भागीदारी से अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा और जल संरक्षण तथा ग्रामीण विकास के प्रति जनजागरूकता बढ़ेगी।

गधौरा के हैंडपंपों का हुआ क्लोरीनेशन, सुरक्षित पेयजल के लिए पीएचई विभाग का विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत गधौरा में विशेष क्लोरीनेशन अभियान चलाया। अभियान के तहत गांव के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में तकनीकी मानकों के अनुरूप क्लोरीन डालकर पेयजल को सुरक्षित बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई विभाग का कहना है कि मानसून के दौरान जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना अधिक रहती है इसलिए समय-समय पर क्लोरीनेशन कर पानी की गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है यह अभियान कार्यपालन अभियंताआकाश पोद्दार के मार्गदर्शन तथा सहायक अभियंताजयंत कुमार चंदेल के सहयोग से संचालित किया गया विभाग की तकनीकी टीम और हैंडपंप टेक्नीशियनों ने प्रत्येक सार्वजनिक हैंडपंप में निर्धारित मानक के अनुसार30 मिलीलीटर क्लोरीन का उपयोग किया इससे पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु, विषाणु और अन्य संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को नष्ट कर पेयजल को उपयोग के लिए अधिक सुरक्षित बनाया गया विभागीय अधिकारियों ने बताया कि बारिश के मौसम में गंदा पानी भूजल स्रोतों तक पहुंचने से हैजा, डायरिया, टाइफाइड और अन्य जलजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में नियमित क्लोरीनेशन, जल गुणवत्ता परीक्षण और निगरानी से इन बीमारियों की रोकथाम में काफी मदद मिलती है इसी उद्देश्य से जिले के विभिन्न गांवों में लगातार क्लोरीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पीएचई विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के उपयोग के साथ-साथ हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की भी सलाह दी ग्रामीणों को बताया गया कि जल स्रोतों में गंदगी या दूषित पदार्थ नहीं डालें तथा पानी का उपयोग सोच-समझकर करें ।

ग्राम चरवाही में हैंडपंपों का क्लोरीनेशन, स्वच्छ पेयजल के लिए पीएचई विभाग का विशेष अभियान

मानसून में जलजनित बीमारियों की रोकथाम पर जोर, ग्रामीणों को जल संरक्षण और स्वच्छता का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा विशेष जल सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत चरवाही अंतर्गत ग्राम चरवाही में सार्वजनिक हैंडपंपों का वैज्ञानिक तरीके से क्लोरीनेशन किया गया अभियान का उद्देश्य पेयजल स्रोतों को संक्रमणमुक्त बनाए रखना जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और वर्षा ऋतु में फैलने वाली जलजनित बीमारियों की रोकथाम करना है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन में विभाग के हैंडपंप टेक्नीशियनों और कर्मचारियों ने गांव के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार 30 मिलीलीटर क्लोरीन का उपयोग किया इस प्रक्रिया के माध्यम से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं, विषाणुओं और अन्य संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित कर पेयजल को सुरक्षित बनाया गया।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि बरसात के मौसम में जल स्रोतों के दूषित होने की संभावना सामान्य दिनों की तुलना में अधिक रहती है ऐसे समय नियमित क्लोरीनेशन से पानी की गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलती है और डायरिया, हैजा, टाइफाइड सहित अन्य जलजनित रोगों के फैलने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है इसी कारण जिले के विभिन्न गांवों में चरणबद्ध तरीके से हैंडपंपों का क्लोरीनेशन और जल गुणवत्ता परीक्षण किया जा रहा है अभियान के दौरान विभाग की तकनीकी टीम ने ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के उपयोग, हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में भी जागरूक किया ग्रामीणों को समझाया गया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता केवल सरकारी प्रयासों से ही नहीं बल्कि जनसहभागिता से भी संभव है।

पिपरिया में स्मैक बेचते महिला गिरफ्तार, 4.92 ग्राम मादक पदार्थ जब्त

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के स्टेशन रोड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्मैक बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 4.92 ग्राम स्मैक बरामद की जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण थोटा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन के निर्देशन तथा एसडीओपी मोहित यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मदन पवार ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गुरुवार दोपहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बीजनबाड़ा स्थित सांवरिया प्लस कॉलोनी में एक महिला स्मैक बेचने आने वाली है सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर दबिश दी और मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर एक महिला को पकड़ लिया तलाशी लेने पर उसके पास से एक पन्नी में रखी 4.92 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के रेंजर पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, विभागीय जांच तेज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के तवा बफर परिक्षेत्र में पदस्थ रेंजर अमित सिंह चौहान वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही के आरोपों को लेकर विभागीय जांच के दायरे में आ गए हैं। उनके खिलाफ इटारसी के तत्कालीन सहायक संचालक विनोद वर्मा द्वारा क्षेत्र संचालक (फील्ड डायरेक्टर) को भेजे गए शिकायत पत्र के आधार पर जांच शुरू की गई है शिकायत में इको सेंसिटिव जोन में बिना अनुमति होम स्टे निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण कार्यों में वित्तीय गड़बड़ी तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं जानकारी के अनुसार तत्कालीन सहायक संचालक विनोद वर्मा ने 23 जून 2026 को पत्र क्रमांक 1672 के माध्यम से रेंजर अमित सिंह चौहान के खिलाफ नौ बिंदुओं पर शिकायत दर्ज कराई थी शिकायत में आरोप लगाया गया कि रेंजर ने कई शासकीय कार्यों में लापरवाही बरती और विभागीय नियमों का पालन नहीं किया साथ ही उनके निलंबन की भी मांग की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसटीआर की डिप्टी डायरेक्टर ऋषिभा नेताम ने शिकायत की जांच पिपरिया के सहायक संचालक आशीष खोपरागड़े और दो रेंजरों की टीम को सौंपी है सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में शिकायत के कुछ बिंदु सही पाए गए हैं हालांकि अंतिम निष्कर्ष विभागीय जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। सत्सत इको सेंसिटिव जोन में होम स्टे निर्माण का आरोप शिकायत में कहा गया है कि तवा बफर के इको सेंसिटिव जोन के अंतर्गत ग्राम धांसई में बिना आवश्यक अनुमति के होम स्टे का निर्माण किया गया। आरोप है कि इस संबंध में 23 फरवरी, 26 मार्च और 25 अप्रैल 2026 को संबंधित रेंजर को कार्रवाई के लिए पत्र भेजे गए, लेकिन निर्माण कार्य को नहीं रोका गया परिणामस्वरूप होम स्टे का निर्माण पूरा हो गया।

शिकायत में भतौड़ी इको विकास समिति के अंतर्गत नए तालाब निर्माण और पुराने तालाबों के गहरीकरण में वित्तीय अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है आरोप है कि स्वीकृत कार्य की तुलना में काफी कम खुदाई कराई गई जबकि भुगतान स्वीकृत मात्रा के अनुसार किया गया। शिकायत के अनुसार, एक नए तालाब के लिए 2223 घनमीटर खुदाई स्वीकृत थी, लेकिन मौके पर केवल 1028 घनमीटर खुदाई पाई गई इसके अलावा पिचिंग कार्य भी निर्धारित मात्रा से कम होने का आरोप है। इसी प्रकार तालाब गहरीकरण कार्य में लगभग 3.97 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता की आशंका जताई गई है स्वीकृत खुदाई के मुकाबले वास्तविक कार्य काफी कम होने का दावा किया गया है। शिकायत पत्र में यह भी कहा गया है कि यदि सड़क निर्माण और अन्य कार्य वास्तविक रूप से नहीं हुए हैं तो मजदूरों की सूची के आधार पर फर्जी भुगतान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस संबंध में मांगी गई जानकारी भी समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब रेंजर अमित सिंह चौहान ने भी तत्कालीन सहायक संचालक विनोद वर्मा के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए विभागीय शिकायत दर्ज करा दी इस शिकायत की जांच सामान्य वन मंडल के डीएफओ गौरव शर्मा कर रहे हैं यानी फिलहाल दोनों अधिकारियों की शिकायतों की अलग-अलग स्तर पर जांच जारी है। गौरतलब है कि जिस सहायक संचालक विनोद वर्मा ने रेंजर के खिलाफ शिकायत की थी उन्हें 24 जून 2026 को एक अलग मामले में निलंबित कर दिया गया था उन पर सोशल मीडिया पर सांभर के साथ फोटो और वीडियो साझा करने का मामला सामने आया था जिसके बाद विभाग ने कार्रवाई की थी। हालांकि रेंजर के खिलाफ दर्ज शिकायतों पर जांच प्रक्रिया अभी भी जारी है।

छतरपुर में 6 साल पुराने छेड़छाड़ मामले में फैसला,आरोपी को 2 साल की सजा, कोर्ट ने लगाया जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव न्यायालय ने छह साल पुराने छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के कठोर कारावास और 1000 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर यह फैसला सुनाया।

2019 में घर में घुसकर की थी छेड़छाड़: अभियोजन के अनुसार घटना 16 जून 2019 की रात करीब 10 बजे की है। पीड़िता अपनी छोटी बहन के साथ घर पर अकेली थी, जबकि उसके माता-पिता गांव गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी घर में घुस आया और युवती के साथ बुरी नीयत से छेड़छाड़ की।

शोर मचाने पर भाई पर किया हमला: पीड़िता के शोर मचाने पर उसका भाई मौके पर पहुंचा। आरोप है कि आरोपी ने लाठी से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसी दौरान पीड़िता के माता-पिता भी घर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस जांच के बाद कोर्ट में पेश हुआ चालान: घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर नौगांव थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया, जिसके बाद मामले की सुनवाई शुरू हुई।

बैतूल में खेत की जुताई दौरान ट्रैक्टर पलटा, मौत पांढरा गांव में जुताई करते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के पांढरा गांव में शुक्रवार दोपहर खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत हो गई। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान पांढरा निवासी अनिल भलावी (45) के रूप में हुई है। वह पेशे से ट्रैक्टर चालक था। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे वह प्रेमलाल मराठे के खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और वह उसके नीचे दब गया।ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना, तब तक हो चुकी थी मौत हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने रानीपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से चालक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए घोड़ाडोंगरी अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

कृषक संगोष्ठी एवं कृषक संवाद कार्यक्रम में पढ़ाया फसल बीमा का पाठ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है इस हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता जी के निर्देशन में विकासखंड नटेरन के ग्राम एंचदा में वृहद कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ ग्राम के सरपंच श्री सालकराम जी द्वारा किया गया।

कृषक संगोष्ठी में कृषि से जुड़े नए आयामों की जानकारी: आत्मा परियोजना से विकासखंड तकनीकी प्रबंधक श्री नरेंद्र सिंह रघुवंशी द्वारा कृषकों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना तथा पराली प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी ने बताया - खरीफ फसलों की बढ़वार हेतु आवश्यक कर्षण क्रियाएं: कृषि विभाग नटेरन के कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक जैन द्वारा ग्राम एंचदा में संगोष्ठी में आए कृषकों को हितकारी कृषिगत जानकारियां जिसमें मुख्यतः ज्वार एवं मक्का आधारित क्षेत्र को आधार बताते हुए उर्वरकों का संतुलित उपयोग, खरपतवारनाशी के उपयोग की जानकारी, मक्के एवं ज्वार की कर्वी का गौशालाओं एवं शेष उत्पाद को लाभ के रूप में कैसे उपयोग करें कि जानकारी इत्यादि लाभकारी कृषि से संबंधित योजनाओं के साथ साथ कृषक कैसे खेती को लाभ का व्यवसाय बनाएं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदाय की गई।

विस्तार से दी गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी: कृषक संगोष्ठी में प्रधानमंत्री फसल बीमा से क्षेत्रीय समन्वयक श्री शुभम मीणा के द्वारा कृषकों को फसल बीमा की जानकारी कृषक पाठशाला के माध्यम से दी गई एवं बताया गया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य खरीफ 2026 का फसल बीमा किया जा रहा है, जिसमें कृषक सोयाबीन के लिए 758 रुपए, धान सिंचित 1134 रुपए, धान असिंचित 596 रुपए एवं मक्का के लिए 604 रुपए इत्यादि फसलों के प्रीमियम की जानकारी साथ ही कृषक नुकसान की स्थिति में 72 घंटे में टॉल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क करके कैसे व्यक्तिगत बीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं कि जानकारी भी प्रदाय की गई एवं सभी कृषकों से फसल बीमा कराने की अपील की गई।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से चोटिल बाघिन का रेस्क्यू

● निगरानी के दौरान पैरों में लचक दिखी, ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में घायल अवस्था में मिली एक बाघिन का सफल रेस्क्यू किया गया है। पिछले पैरों में चोट और लगातार भूखी रहने के कारण उसकी हालत कमजोर हो गई थी। वन विभाग ने विशेषज्ञों की मदद से बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित रेस्क्यू किया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक, जबलपुर भेज दिया। फिलहाल विशेषज्ञ डॉक्टर उसकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

5 जुलाई की घटना के बाद शुरू हुई निगरानी: पूरा मामला 5 जुलाई का है, जब टाइगर रिजर्व की मोहली रेंज में एक श्रमिक पर बाघ के हमले की घटना सामने आई थी। मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पंजों के निशान छोटे होने के कारण आशंका जताई गई कि हमला किसी कम उम्र के बाघ या बाघिन ने किया हो सकता है।

इसके बाद वन विभाग ने पूरे क्षेत्र में लगातार सर्चिंग अभियान शुरू किया। 7 जुलाई को गश्ती दल को जंगल में लगभग 15 से 18 महीने उम्र की एक बाघिन दिखाई दी। शुरुआत में उसका व्यवहार सामान्य प्रतीत हुआ, इसलिए उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के लिए हाथियों के जरिए गश्त बढ़ा दी गई।

पैरों में लचक और भूख से बिगड़ी हालत: 8 जुलाई को हाथियों के साथ गश्त कर रहे महावतों और अधिकारियों ने देखा कि बाघिन सामान्य तरीके से नहीं चल पा रही थी। उसके पिछले पैरों में लचक साफ दिखाई दे रही थी। साथ ही यह भी पाया गया कि वह कई दिनों से शिकार नहीं कर सकी थी और भूख के कारण कमजोर होती जा रही थी।

वन अधिकारियों ने स्थिति को गंभीर मानते हुए इसकी जानकारी मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक, मध्य प्रदेश को दी। उनके निर्देश पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. गुरुदत्त शर्मा तथा सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक, जबलपुर की विशेषज्ञ टीम को तत्काल बुलाया गया।

● हाथियों की मदद से चला सर्च ऑपरेशन

गुरुवार सुबह विशेषज्ञ टीम, वन अधिकारियों और महावतों ने हाथियों की मदद से जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। काफी तलाश के बाद बाघिन झाड़ियों के बीच बैठी हुई मिली। उसकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए टीम ने बेहद सावधानी से उसे ट्रेंकुलाइज किया, ताकि बिना किसी अतिरिक्त तनाव के उसका रेस्क्यू किया जा सके। रेस्क्यू के बाद डॉक्टरों ने मौके पर ही बाघिन का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच में उसका पेट लगभग खाली मिला, जिससे स्पष्ट हुआ कि वह कई दिनों से पर्याप्त भोजन नहीं कर पाई थी। इसके अलावा पिछले पैरों में सूजन और चोट के लक्षण भी मिले, जिससे उसके चलने में परेशानी हो रही थी।

● प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर भेजी गई बाघिन

वन विभाग ने मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद बाघिन को विशेष वाहन से सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ हेल्थ एंड फॉरेंसिक, जबलपुर रवाना किया, जहां उसका विस्तृत मेडिकल परीक्षण, एक्स-रे और आवश्यक उपचार किया जाएगा। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि बाघिन का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज कराया जाएगा और पूरी तरह स्वस्थ होने तक उसकी लगातार निगरानी की जाएगी। वन विभाग यह भी पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि बाघिन के पैरों में चोट कैसे लगी और वह लंबे समय तक शिकार करने में असमर्थ क्यों रही।

लिफ्ट लगाने के नाम पर दस लोगों को ठगा: एडवांस पैसा लेने के बाद नहीं लगाई लिफ्ट, इंदौर की कंपनी पर रतलाम में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में लिफ्ट लगाने के नाम पर 10 लोगों के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी का मामला गुरुवार को सामने आया है। पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले इंदौर की केन्स एलेवेटर्स एंड इंजीनियर्स प्रायवेट लिमिटेड के प्रो. प्रा. मनीष पिता सत्यनारायण गुप्ता निवासी वीनस पार्क लेंड वेजलपुर रोड अहमदाबाद (गुजरात) के खिलाफ 420 का केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

मामला शहर के माणकचौक थाना अंतर्गत का है। शहर के पोरवाड़ों का वास ओझाखाली निवासी अश्विन मूणत ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिपोर्ट में बताया कि उनकी नाहरपुरा रतलाम में अश्विन टेलिकाम नाम से मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान है। वर्ष 2024 में नाहरपुरा में मेरी दुकान के उपरी हिस्से में मकान का निर्माण करवाया था।

जिसमें ऊपरी फ्लोर पर जाने के लिए लिफ्ट की आवश्यकता थी। इस कारण मैंने इंदौर की केन्स एलेवेटर्स एंड इंजीनियर्स प्रायवेट लिमिटेड के प्रो.प्रा. मनीष पिता सत्यनारायण गुप्ता दुकान में लिफ्ट लगवाने के लिए संपर्क किया।

एडवांस रुपए लिए: गुप्ता ने दुकान पर आकर लिफ्ट लगाने के लिए 7 लाख 20 हजार रुपए का बोला। इनके द्वारा एडवांस रुपए देने को कहा। 11 मार्च 2024 अश्विन के पिता अनोखीलाल मूणत के यूनियन बैंक के लोन खाता से 3 लाख 54 हजार रुपए केन्स एलेवेटर्स एंड इंजीनियर्स प्रायवेट लिमिटेड के यस बैंक के खाता में ट्रांसफर किए थे।

इसके बाद मनीष गुप्ता को कई बार फोन किए जाने व दुकान में लिफ्ट लगाने का बोला लेकिन दुकान में ना तो लिफ्ट लगवाई और न ही मेरे रुपए वापस किए।

इन लोगों से भी ली राशि: अश्विन ने पुलिस को बताया कि बाद में जानकारी मिली कि मनीष गुप्ता द्वारा रतलाम शहर के मनोज गुप्ता निवासी शास्त्री नगर, निलेश चाणोदिया निवासी नौलाईपुरा, लोकेश व्यास निवासी सखवाल नगर, मयंक पाठक निवासी पैलेस रोड़, मनोज परमार मेसर्स गरबा टेक्सटाईल्स शहर सराय, अनिल मूणत निवासी जैन कॉलोनी, जयंत जैन निवासी हनुमान रूण्डी, तुषार पोरवाल निवासी पोरवाड़ो का वास, आयुष कोठारी निवासी चौमुखी पुल रतलाम के साथ भी मनीष गुप्ता द्वारा लिफ्ट लगाने के नाम पर धोखाधड़ी कर रूपए ले लिए। हालांकि इन लोगों से कितनी राशि ली है अभी सामने नहीं आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

अश्विन के साथ रिपोर्ट करने धोखाधड़ी के शिकार हुए तुषार पोरवाल निवासी पोरवाड़ो का वास व मनोज गुप्ता निवासी शास्त्री के साथ पहुंच कर घटनाक्रम बताया। इसके बाद पुलिस ने धारा 420 में केस दर्ज किया।सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि लिफ्ट लगाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई। केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

सांची में ट्रक की टक्कर से किसान की मौत,दूसरा युवक गंभीर घायल, चालक ट्रक छोड़कर फरार, ट्रक को थाने में खड़ा कराया

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची में शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पंकज लोधी (30) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार जमुना लोधी (42) गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सांची थाना प्रभारी रामविलोचन शर्मा ने बताया कि दोनों युवक विदिशा की ओर से आ रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

घायल का अस्पताल में इलाज, शव का कराया पोस्टमार्टम: पुलिस ने पंकज लोधी के शव को सांची अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पंकज मेढ़की गांव का रहने वाला था और खेती-किसानी करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया।

इटारसी में मंगला एक्सप्रेस की छत पर चढ़ा युवक

ओएचई लाइन से करंट लगा, पैर टूटा,सिर में तीन टांके, 50% झुलसा, गोवा जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। दिल्ली से एर्नाकुलम जा रही मंगला एक्सप्रेस में गुरुवार को इटारसी रेलवे आउटर (सी-केबिन) के पास हादसा हो गया। ट्रेन की बोगी की छत पर चढ़े एक युवक को ओएचई लाइन का जोरदार करंट लग गया, जिससे वह बुरी तरह झुलसकर नीचे गिर पड़ा।

घायल युवक की पहचान 27 वर्षीय धन बहादुर के रूप में हुई है। वह शिमला में मजदूरी का काम करता है और अपनी पत्नी नेहा और दो छोटे बच्चों के साथ निजामुद्दीन से ट्रेन में बैठकर गोवा जा रहा था। शाम 6:20 बजे मंगला एक्सप्रेस इटारसी स्टेशन आई थी। यहां से रवाना होने के बाद जब ट्रेन आउटर पर रुकी, तब धन बहादुर बोगी के ऊपर चढ़ गया और हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

बताया गया कि ओएचई लाइन की चपेट में आने से युवक का सीधा पैर टूट गया और 50% झुलस गया। सिर में तीन टांके भी आए हैं।

अस्पताल में इलाज जारी: करंट लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। खबर मिलते ही आरपीएफ और रेलवे अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे युवक को तुरंत एम्बुलेंस से इटारसी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा युवक: आरपीएफ थाना प्रभारी मनीष पांडेय ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा है। हालांकि, वह ट्रेन की छत पर कब और कैसे चढ़ा, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं हो पाया है। आरपीएफ ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के सही कारणों का पता लगा रही है।

सागर के सरकारी स्कूल में घुसकर शिक्षकों से मारपीट, उत्पात मचाने वाले दोनों आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के बंडा थाना क्षेत्र के ग्राम क्वायला स्थित शासकीय विद्यालय में घुसकर शिक्षकों से गालीगलौज, मारपीट और हंगामा करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

क्लास के दौरान स्कूल में घुसकर किया हंगामा: पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को फरियादिया लक्ष्मी सोनी (61), निवासी नया मोहल्ला बंडा, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वह ग्राम क्वायला के शासकीय विद्यालय में पदस्थ हैं और सुबह बच्चों को कक्षा में पढ़ा रही थीं। इसी दौरान गांव के रहने वाले नीलेश उर्फ डिल्लू यादव (27) और सोनू दांगी (30) स्कूल परिसर में घुस आए।

दोनों आरोपियों ने विद्यालय में गालीगलौज शुरू कर दी और उत्पात मचाने लगे। स्कूल का माहौल बिगड़ता देख अन्य शिक्षक मौके पर पहुंचे और उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों आरोपी और अधिक उग्र हो गए।

शिक्षकों से की मारपीट, ग्रामीणों ने कराया बीच-बचाव: शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने शिक्षकों के साथ अभद्रता करते हुए गालीगलौज की और मारपीट भी की। विद्यालय में अचानक हुए हंगामे से छात्र-छात्राओं में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर किसी तरह विवाद शांत कराया।

घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके आधार पर तत्काल कार्रवाई शुरू की गई।

इछावर में 7 लाख की चोरी का पर्दाफाश, तीन चोर समेत सुनार गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की इछावर थाना पुलिस ने करीब 7 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए तीन चोरों और चोरी का माल खरीदने वाले एक सराफा व्यापारी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने के जेवर और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में साइबर सेल और मुखबिर तंत्र की अहम भूमिका रही।

16-17 जून की रात सूने मकान में हुई थी चोरी: पुलिस के अनुसार, 16 और 17 जून की दरमियानी रात इछावर थाना क्षेत्र के खेड़ीपुरा निवासी राजेश श्रीवास्तव के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया था।

आरोपी घर में घुसकर सोने के जेवर और नकदी चोरी कर फरार हो गए थे। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विशेष टीम गठित कर शुरू की गई जांच: मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी रोशन जैन के पर्यवेक्षण में इछावर थाना प्रभारी पंकज वाडेकर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम को तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान पुलिस ने कई संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी। तकनीकी इनपुट और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली।

निशानदेही पर बरामद हुआ चोरी का माल

पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए सोने के जेवर और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने चोरी के माल को सुरक्षित कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है।

तीन चोरों के साथ सराफा व्यापारी भी गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में धीरू वर्मा निवासी खेड़ीपुरा, सूरज वर्मा निवासी ग्राम खैरी, सेंटू वर्मा निवासी खेड़ीपुरा और चोरी का सोना खरीदने वाले सीहोर के सराफा व्यापारी माधोशरण सोनी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि चोरी के जेवर सुनार को बेचने की तैयारी की जा रही थी।

न्यायालय में पेश, आगे की जांच जारी

पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों का संबंध अन्य चोरी की घटनाओं से तो नहीं है। पुलिस चोरी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

इंग्लैंड दौरे के बाद BCCI करेगा भारतीय टी20 टीम के प्रदर्शन को रिव्यूः देवजीत सैकिया

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि इंग्लैंड दौरे के खत्म होने के बाद बीसीसीआई भारतीय मेंस टी20 टीम के प्रदर्शन को रिव्यू करेगा। गुरुवार को चौथे टी20 में मिली हार के साथ ही भारत ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज गंवाई। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम को लगातार दूसरी टी20 सीरीज गंवानी पड़ी है। इससे पहले, आयरलैंड के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और टीम दो मैचों की सीरीज में एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी थी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भारतीय टी20 टीम के प्रदर्शन में आई गिरावट को माना, लेकिन रिव्यू मीटिंग में समाधान निकालने का भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'बात बहुत सीधी है। भारतीय टी20 टीम पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ अपने मैचों में बुरे दौर से गुजर रही है। इसी वजह से हमें यह सीरीज खत्म होने के बाद रिव्यू करना होगा। फिलहाल पुरुष टी20 टीम का प्रदर्शन के मामले में बुरा दौर चल रहा है।' बीसीसीआई सचिव ने आगे कहा, 'हमें देखना होगा कि उन्हें किन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, और सीरीज खत्म होने के बाद हम निश्चित रूप से एक डिटेल्ड रिव्यू में इसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड में 19 जुलाई को वनडे सीरीज खत्म होने के तुरंत बाद रिव्यू होगा। '

इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। खासतौर पर टीम के बल्लेबाजों ने अपने प्रदर्शन से फैंस का दिल तोड़ा है। तीसरे टी20 में भारत की पूरी टीम सिर्फ 76 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी और टीम को इस फॉर्मेट की रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी हार का मुंह देखना पड़ा था। इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भारत को 125 रनों से हराया था। वहीं, चौथे टी20 में भी भारतीय बल्लेबाज 20 ओवर में 158 रन ही बना सके थे, जिसे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया था। चौथे टी20 में मिली हार के साथ ही भारत को पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 (दो या उससे अधिक मैच) सीरीज गंवानी पड़ी। इससे पहले, श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम का न तो टॉप ऑर्डर अच्छी लय में दिखाई दिया है और न ही मध्यक्रम इस टी20 सीरीज में कोई खास योगदान दे सका है। वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, ईशान किशन, अक्षर पटेल और शिवम दुबे बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर सके हैं। भारतीय बल्लेबाजों को परिस्थितियों से तालमेल बैठाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। भारत को अगर मेंस की टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अपनी टॉप पोजीशन बचानी है, तो उन्हें शनिवार को साउथेम्प्टन के द रोज बाउल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 में जीत हासिल करनी होगी।

फिर फ्लॉप रहे युवा वैभव सूर्यवंशी

जोफ्रा आर्चर ने चटकाया विकेट, 10 ओवर के बाद भारत 71/3

ब्रिस्टल,एजेसीं। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे चौथे टी-20 मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड पर शुरुआती 10 ओवरों के खेल के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 71 रन बना लिए हैं. फिलहाल क्रीज पर कप्तान श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे टिके हुए हैं. 15 वर्षीय युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस मुकाबले में भी किसी बड़ी पारी को अंजाम नहीं दे सके. वे 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इंग्लिश तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने लगातार दूसरे मैच में वैभव को अपना शिकार बनाया. 3 पारियों में सिर्फ 42 रनः इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक खेले 3 टी-20 मैचों के बाद वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से महज 42 रन ही निकल सके हैं. उन्होंने अपने पहले मैच में 14 और दूसरे मैच में 13 रनों की पारी खेली थी ।

शीर्ष क्रम बुरी तरह वस्तः

वैभव के अलावा भारत का शीर्ष क्रम इस अहम मैच में पूरी तरह लड़खड़ा गया. अभिषेक शर्मा 16 रन बनाकर आउट हुए । ईशान किशन का फ्लॉप शो जारी रहा और वे सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए ।

भारतीय टीम में दो बदलाव,सीरीज बचाने की जंग

इस 'करो या मरो' के मुकाबले में भारतीय टीम प्रबंधन ने अपनी प्लेइंग-11 में दो महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं. तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में मौका दिया गया है । गौरतलब है कि 5 मैचों की इस टी-20 सीरीज में इंग्लैंड फिलहाल 2-0 से आगे चल रही है. पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, जबकि दूसरे और तीसरे मैच में मेजबान टीम ने जीत दर्ज की थी. यदि भारत आज का मैच हारता है, तो 2018-19 के बाद यह पहला मौका होगा जब टीम इंडिया लगातार दो टी-20 सीरीज गंवाएगी ।

कप जीतने वाली टीम ऐसे नहीं खेलती

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत की हार पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम का मानना है कि श्रेयस अय्यर को अब भारत के T20I कप्तान के तौर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए। उनका कहना है कि IPL में उन्होंने जो रणनीतिक समझ दिखाई थी, वह अभी तक इंटरनेशनल लेवल पर नहीं दिखी है। करीम की यह बात तब आई जब भारत को ब्रिस्टल में खेले गए चौथे T20I मैच में इंग्लैंड से 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहला मैच बारिश की वजह से रद्द होने के बाद इस हार से मेजबान टीम को 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई। ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत की यह दूसरी बाइलेटरल T20I सीरीज हार है जबकि अभी एक मैच खेला जाना बाकी है। करीम ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस अय्यर के लिए कप्तान के तौर पर खुद को साबित करने का समय आ गया है। IPL में हमने उनकी जो रणनीतिक कप्तानी देखी है, वह इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक नहीं दिखी है।' पूर्व नेशनल सेलेक्टर ने मैदान पर अय्यर के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए, खासकर ब्रिस्टल में मिली हार के दौरान भारत के बैटिंग ऑर्डर पर। उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए, जब वह बीच में बैटिंग कर रहे थे, तो शिवम दुबे पांचवें नंबर पर आए। मुझे वह फैसला समझ नहीं आया। यह वह श्रेयस अय्यर नहीं हैं जिन्हें हम IPL से जानते हैं। लॉजिकली, अगर वह अभी IPL में कप्तानी कर रहे होते, तो शिवम दुबे की जगह तिलक वर्मा पांचवें नंबर पर आते।' करीम ने इस बात पर भी जोर दिया कि पारी के अहम मौकों पर कप्तान की तरफ से बातचीत करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, 'जब आप कप्तान के तौर पर बीच में बैटिंग कर रहे होते हैं, तो अपने पार्टनर को भेजे गए मैसेज बहुत अहम होते हैं। हो सकता है कि उन्हें इस भूमिका में ढलने में समय लगे।' अय्यर के रणनीतिक नजरिए पर सवाल उठाने के बावजूद करीम को लगा कि कप्तान की बैटिंग एक बड़ी पॉजिटिव बात थी और इससे उन्हें आगे चलकर बेहतर लीडर बनने में मदद मिलेगी। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे T20I में 49 गेंदों पर 80 रनों की शा नदार पारी खेली, लेकिन उन्हें बाकी खिलाड़ियों का साथ नहीं मिला।

चेन्नई में खेला जाएगा बिग बैश लीग 2026-27 का पहला मुकाबला

मेलबर्न रेनेगेड्स की होगी पर्थ स्कॉर्चर्स से भिड़ंत

नई दिल्ली ,एजेसीं। ऑस्ट्रेलिया की मशहूर टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) 2026-27 की शुरुआत भारत से होगी। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बिग बैश लीग का पहला मुकाबला मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच 12 दिसंबर को खेला जाएगा। यह पहला मौका होगा जब बीबीएल का कोई मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से बाहर खेला जाएगा। चेन्नई में होने वाले इस मैच में रेनेगेड्स मेजबान टीम की भूमिका निभाएगी। इस मैच की लाइव कमेंट्री और टेलीकास्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया के दो चैनल अपनी ब्रॉडकास्टिंग टीम को भारत भेजेंगे। ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इस मैच का लाइव प्रसारण भारत में 'जियोस्टार' करेगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान इस ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया। यह पहला मौका होगा जब भारत में किसी विदेशी क्रिकेट लीग का कोई मुकाबला खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, बिग बैश लीग का भारत में आयोजन करने से बीबीएल की लोकप्रियता में और इजाफा होगा और दर्शकों की संख्या भी बढ़ेगी। भारतीय समय के अनुसार, यह मुकाबला सुबह 10 बजे शुरू होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया समयानुसार यह मैच दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर शुरू होगा। बिग बैश लीग के महाप्रबंधक एलिस्टेयर डॉब्सन ने इस खास पहल को दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से अहम बताया। उन्होंने कहा, 'भारत में हमारे खेल को हमेशा से शानदार समर्थन और मजबूत जुड़ाव मिला है। यह मुकाबला दोनों देशों की सरकारों के बीच की एक महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा है। क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं है, बल्कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के लोगों को जोड़ने का एक बेहतरीन जरिया भी है।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

सलीमा टेटे के हाथों में कमान

नई दिल्ली,एजेसीं। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियन गेम्स ऐची-नागोया 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान कर दिया है। सलीमा टेटे को टीम की कमान सौंपी गई है। सलिमा टेटे को को एशियन गेम्स के लिए टीम की कप्तानी सौंपी गई है। उन्होंने भारतीय टीम को पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप जिताने में अहम रोल अदा किया था। हाल ही में पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित की गई सविता और बीचू देवी खारिबाम को टीम में दो गोलकीपर के तौर पर रखा गया है। टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने चुनी गई 20 सदस्यीय टीम पर अपने विचार शेयर करते हुए कहा, 'हमारे पास एक ऐसा ग्रुप है जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों के बीच अच्छा संतुलन है, जो लगातार एक-दूसरे से बेस्ट निकलवाने के लिए काम कर रहे हैं।' डिफेंस में सुशीला चानू पुखरामबम, इशिका चौधरी और ज्योति के अलावा लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को जगह दी गई है, जिन्होंने एफआईएच नेशंस कप के दौरान सीनियर टीम में डेब्यू किया था। उन्हें टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। मिडफील्ड में, कप्तान सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग को शामिल किया गया है। फॉरवर्ड लाइन में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह दी गई है। चीफ कोच मारिन ने आगे कहा, 'खिलाड़ियों के इस ग्रुप ने हाल के महीनों में दिखाया है कि उनके पास अच्छी फॉर्म और फिटनेस है।

इंग्लैंड की बढ़ी मुश्किलें

क्वार्टर फाइनल में मार्क गुएही के खेलने पर संशय बरकरार

मियामी । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड की टेंशन बढ़ गई है। नॉर्वे के खिलाफ होने वाले अहम मैच में टीम के डिफेंडर मार्क गुएही का खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, मिडफील्डर डेक्लान राइस भी बीमारी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला रविवार को मियामी स्टेडियम में खेला जाना है। इससे पहले, टीम ने राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको को 3-2 से हराकर अंतिम आठ का टिकट हासिल किया था। इसी मुकाबले के बाद गुएही को हल्की हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। शुक्रवार को गुएही फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे, जिसके बाद ही यह तय हो पाएगा कि वह नॉर्वे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे या नहीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुएही और डेक्लान राइस बुधवार को टीम के साथ ट्रेनिंग में शामिल नहीं हुए। दोनों खिलाड़ियों ने मैदान से अलग अपना रिकवरी और फिटनेस प्रोग्राम पूरा किया। अगर गुएही शुक्रवार को टीम के साथ अभ्यास नहीं कर पाते हैं, तो नॉर्वे के खिलाफ उनके खेलने की संभावना काफी कम हो सकती है।

दूसरी ओर, डेक्लान राइस भी बीमारी के कारण लगातार दूसरे दिन ट्रेनिंग से दूर रहे। इंग्लैंड की टीम को उम्मीद है कि वह समय पर फिट होकर क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। इंग्लैंड के लिए डिफेंस में भी परेशानी खड़ी हो गई है। मेक्सिको के खिलाफ मुकाबले में जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिला था, जिसके कारण वह दो मैचों के लिए निलंबित हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कोच थॉमस ट्यूशेल को टीम कॉम्बिनेशन को लेकर नए विकल्प तलाशने होंगे। नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड होंगे। हालैंड इस वर्ल्ड कप में अब तक सात गोल कर चुके हैं और उनकी मौजूदगी इंग्लैंड के डिफेंस के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। इस बीच, अनुभवी खिलाड़ी जॉर्डन हेंडरसन भी चोट के बावजूद टीम के साथ बने हुए हैं। मेक्सिको के खिलाफ जीत का जश्न मनाते समय उनकी कलाई में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सफल सर्जरी हुई और वह इंग्लैंड के कैंप में वापस लौट आए हैं। इंग्लैंड फुटबॉल ने बताया कि हेंडरसन टीम होटल में आराम कर रहे हैं और उनकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

15 साल बाद मार्वल स्टेडियम से अलग की मेलबर्न रेनेगेड्स ने राहें

मेलबर्न ,एजेसीं। बिग बैश लीग (बीबीएल) की फ्रेंचाइजी मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी पुरुष टीम के घरेलू मैदान को बदलने का फैसला किया है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने 15 साल के बाद मार्वल स्टेडियम से अपनी राहें अलग कर ली हैं। आगामी सीजन में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) रेनेगेड्स का घरेलू मैदान होगा। बीबीएल क्लब ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। मेलबर्न रेनेगेड्स ने बिग बैश लीग की शुरुआत 2011-12 सीजन से की थी और तब से वह अपने ज्यादातर घरेलू मुकाबले मार्वल स्टेडियम में खेलती आ रही थी। इसी मैदान पर टीम ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। रेनेगेड्स ने बीबीएल के आठवें सीजन में खिताब जीता था और उस यादगार सफर का गवाह भी मार्वल स्टेडियम ही बना था। अब क्लब ने मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीजी) के साथ नया समझौता किया है, जिसके तहत बिग बैश लीग के 16वें सीजन से टीम के कुछ खास मुकाबले एमसीजी में खेले जाएंगे। आगामी सीजन में रेनेगेड्स एमसीजी में कुल तीन मैच खेलेगी। इनमें दो मुकाबले वह घरेलू टीम के रूप में खेलेगी, जिसमें मेलबर्न डर्बी भी शामिल होगा। इसके अलावा एक मैच वह मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ मेहमान टीम के रूप में खेलेगी। रेनेगेड्स इस सीजन में मेलबर्न के जंक्शन ओवल मैदान पर भी अपने दो घरेलू मुकाबले खेल सकती है। इसके अलावा टीम दिसंबर में होने वाले ऐतिहासिक चेन्नई मुकाबले का भी हिस्सा बनेगी। इस बदलाव के चलते जिलॉन्ग में पिछले पांच साल में पहली बार कोई बिग बैश मैच नहीं खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट क्लब के सीईओ स्टुअर्ट फॉक्स ने इस बदलाव को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 2026-27 की गर्मियों में एमसीजी का क्रिकेट कार्यक्रम और बड़ा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिग बैश लीग गर्मियों के क्रिकेट कैलेंडर का अहम हिस्सा है और क्लब रेनेगेड्स के स्वागत के लिए उत्साहित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एमसीजी में फैंस को रोमांचक मुकाबलों का आनंद लेने के और ज्यादा मौके मिलेंगे।रेनेगेड्स के कप्तान विल सदरलैंड ने भी एमसीजी में खेलने को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड दुनिया के सबसे प्रसिद्ध खेल स्थलों में से एक है और हर खिलाड़ी वहां खेलने का सपना देखता है। उन्होंने पिछले सीजन में एमसीजी पर हुए डर्बी मुकाबले का जिक्र करते हुए कहा कि वहां का माहौल शानदार था और इससे पता चलता है कि इस मैदान पर बिग बैश क्रिकेट कितना खास हो सकता है।

सदरलैंड ने कहा कि टीम के खिलाड़ी भारी भीड़ के सामने खेलने और अपने फैंस के साथ यादगार पल बनाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने यह भी माना कि टीम के समर्थकों के लिए यह बदलाव आसान नहीं रहा होगा, लेकिन खिलाड़ी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेलबर्न रेनेगेड्स के जनरल मैनेजर मैक्स एबॉट ने कहा कि एमसीजी में क्रिकेट खेलना मेलबर्न की गर्मियों की पहचान है। उन्होंने कहा कि टीम दुनिया के सबसे बेहतरीन स्टेडियमों में से एक में अपने घरेलू मुकाबले खेलने को लेकर रोमांचित है।

ल्लांकि, उन्होंने मार्वल स्टेडियम को भी धन्यवाद दिया और कहा कि यह मैदान पिछले 15 वर्षों से रेनेगेड्स की पहचान का हिस्सा रहा है।

एमसीजी होगा नया घरेलू मैदान

समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ करें योजनाओं, कार्यक्रमों का क्रियान्वयन

सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में ग्रामीण विकास की योजनाओं की करें नियमित समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने कहा कि शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का गुणवत्ता पूर्वक क्रियान्वयन करते हुए हितग्राहियों तक समय पर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास की योजनाओं की एसडीएम अपने क्षेत्र में नियमित रूप से समीक्षा करें कमिश्नर सिंह ने शुक्रवार को सतना कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं विकास कार्यों एवं विभागीय उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की इस मौके पर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे कमिश्नर रीवा शीलेन्द्र सिंह ने ग्रामीण विकास की वीबी जी राम जी योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान, एक बगिया मां के नाम सहित अन्य ग्रामीण विकास की योजनाओं की समीक्षा में कहा कि वीबी जी राम जी योजना में 450 ग्राम पंचायतों में से केवल 193 मस्टर ही जारी किये गये है। अगले 15 दिनों में शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों में मस्टर जारी नहीं होने पर संबंधित सीईओ जनपद से स्पष्टीकरण लिया जायेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में कुल 3972 कामों में से 2008 कार्य पूर्ण होने पर कमिश्नर ने कहा कि शेष सभी 1365 प्रगतिरत कार्य 31 जुलाई तक पूरे हो जाने चाहिए एक बगिया मां के नाम योजना में 506 स्वीकृत कार्यो में से 444 कार्यो की प्रगतिरत रहने पर कमिश्नर ने कहा कि एसडीएम सभी कार्यो की समीक्षा करें और अपर कलेक्टर के माध्यम से रिपोर्ट भिजवाये गौशलाओं की समीक्षा में बताया गया कि स्वीकृत 61 गौशालाओं में से 55 गौशालायें पूर्ण होकर 49 गौशालायें संचालित है जिनमें से 5540 गौवंश पशु है कमिश्नर ने कहा कि सभी गौशालाओं का पंजीयन उप संचालक पशु चिकित्सा के माध्यम से गौसंवर्धन बोर्ड में कराये आवास प्लस योजना की समीक्षा में कमिश्नर ने कहा कि गरीबों के कल्याण की योजनाओं का लाभ समय पर हितग्राहियों को दिलाना हमारी जिम्मेदारी है अपने-अपने क्षेत्र के हितग्राहियों से बात करें और 10 से 20 हितग्राहियों के बीच बृहद मात्रा में निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा में अगले महीने तक विकासखण्डों में 90 प्रतिशत प्रगति लाये जाने के निर्देश दिये ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा में कमिश्नर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने ब्लाक मुख्यालय में आजीविका मार्ट स्थापित करने का प्रयास करें जिनमें क्षेत्र के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादों को विक्रय और प्रदर्शन का फोरम बनाये उन्होंने विद्यालयों और आंगनवाडी केन्द्रों में स्वच्छता, पेयजल एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करते हुए डीईओ और डीपीसी को निर्देशित किया कि विद्यालयों की साफ-सफाई का कार्य स्वच्छता साथी के माध्यम से कराये कानून और व्यवस्था की समीक्षा में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि ट्रैफिक की सुचारू संचालन की व्यवस्था के लिए किसी एक सडक को चुनकर उसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेकर सुधार की कार्यवाही करे नशा मुक्ति अभियान और कोरेक्स के नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये उन्होंने अवैध मदिरा के परिवहन और विक्रय पर कडी कार्यवाही करते हुए जप्ती और न्यायालयीन प्रकरणों की कार्यवाहियों को तेज करने के निर्देश दिये।

पीएमजीएसवाई महाप्रबंधक पर आरोपों को लेकर ठेकेदारों का धरना जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (PMGSY) के सतना कार्यालय के बाहर ठेकेदारों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी ठेकेदारों ने विभाग के महाप्रबंधक उमेश कुमार साहू पर भ्रष्टाचार और कथित ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच तथा आवश्यक कार्रवाई की मांग की है धरने पर बैठे ठेकेदारों का कहना है कि विभाग में लंबे समय से अनियमितताओं का माहौल बना हुआ है, जिससे सड़क निर्माण कार्य और विकास परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक शासन और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे ठेकेदारों में नाराजगी बढ़ती जा रही है प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया कि विभाग के एक उपयंत्री (सब इंजीनियर) द्वारा विभागीय कार्यप्रणाली और कथित अनियमितताओं से जुड़े कुछ गंभीर आरोप सार्वजनिक किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि इन आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं धरना दे रहे ठेकेदारों का आरोप है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना जैसी महत्वपूर्ण योजना में पारदर्शिता और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिससे सरकारी योजनाओं की छवि पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है हालांकि इस संबंध में महाप्रबंधक उमेश कुमार साहू या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि शासन और संबंधित विभाग इन शिकायतों पर क्या

निलंबित उपयंत्री के भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों से मचा हड़कंप

कमीशनखोरी के कथित नेटवर्क का दावा, हाईकोर्ट में साक्ष्य पेश करने की कही बात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां जनपद के निलंबित उपयंत्री सतीश कुमार समेले ने मीडिया से बातचीत में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं उन्होंने दावा किया कि पंचायतों में होने वाले विकास कार्यों में विभिन्न स्तरों पर कथित कमीशनखोरी का एक संगठित तंत्र काम कर रहा है समेले के इन आरोपों के बाद जिले में प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है समेले ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों में स्वीकृत राशि का अलग-अलग स्तरों पर प्रतिशत के हिसाब से बंटवारा किया जाता है उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों सचिव उपयंत्री रोजगार सहायक सहायक यंत्री तथा अन्य अधिकारियों तक कथित कमीशन पहुंचने का दावा किया उनका यह भी आरोप है कि विशेष योजनाओं एवं बड़े निर्माण कार्यों में कथित रूप से अधिक प्रतिशत की अवैध वसूली की जाती है निलंबित उपयंत्री ने यह भी दावा किया कि निरीक्षण दलों के दौरे के दौरान कथित रूप से धन की व्यवस्था कराई जाती है और इस प्रक्रिया में निचले स्तर के कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाता है उन्होंने कहा कि उनके पास इन आरोपों से जुड़े ऑडियो वीडियो और अन्य साक्ष्य मौजूद हैं जिन्हें वे शीघ्र ही उच्च न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे समेले ने कहा कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग करेंगे उनके अनुसार यदि स्वतंत्र जांच कराई जाती है तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं समेले द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है इस संबंध में संबंधित अधिकारियों अथवा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है अब निगाहें इस बात पर हैं कि शासन और जांच एजेंसियां इन आरोपों पर क्या कार्रवाई करती हैं और क्या मामले की औपचारिक जांच शुरू की जाती है।

बिजली व्यवस्था सुधार को लेकर गरीब सेना ने सौंपा ज्ञापन

13 सूत्रीय मांगों के साथ दी आंदोलन की चेतावनी, अघोषित कटौती और लो-वोल्टेज से राहत की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की बदहाल विद्युत व्यवस्था में सुधार और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग को लेकर गरीब सेना ने विद्युत अधीक्षण अभियंता को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो जनहित में लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा ज्ञापन में गरीब सेना ने कहा कि जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लंबे समय से बिजली कटौती, लो-वोल्टेज, खराब ट्रांसफार्मर, जर्जर विद्युत लाइन और शिकायतों के समय पर निराकरण नहीं होने जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। इससे आम नागरिकों के साथ किसान, विद्यार्थी, छोटे व्यापारी और उद्योग प्रभावित हो रहे हैं संगठन ने मांग की है कि बिना सूचना होने वाली अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाई जाए और सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान, जर्जर तारों एवं खंभों को बदलने, खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्रों में नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की गई ज्ञापन में विद्युत शिकायतों के लिए प्रभावी 24 घंटे हेल्पलाइन व्यवस्था, गलत बिजली बिल एवं मीटर संबंधी शिकायतों का शीघ्र निराकरण, रखरखाव कार्यों की पूर्व सूचना देने तथा बढ़ती आबादी के अनुसार नए फीडर एवं विद्युत अधोसंरचना विकसित करने की मांग भी शामिल है पूर्व पार्षद महेंद्र वर्धन पप्पू ने कहा कि बिजली प्रत्येक नागरिक की मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन जनता के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा इस अवसर पर एडवोकेट के.पी. पाल, सुदामा प्रजापति, आशुतोष मिश्रा, संजय बुनकर, एडवोकेट पंकज नारायण कुशवाहा सहित गरीब सेना के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री 11 जुलाई को इंदौर में मध्यप्रदेश युवा कॉन्क्लेव-2026 का करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मध्यप्रदेश युवा कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ करेंगे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 5 हजार युवाओं की सहभागिता वाले इस महाआयोजन का उद्देश्य युवा शक्ति को प्रदेश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ना उनके विचारों को नीति निर्माण में शामिल करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है कॉन्क्लेव में शिक्षा खेल उद्यमिता कृषि स्वास्थ्य सूचना प्रौद्योगिकी कौशल विकास संस्कृति पर्यावरण तथा सामाजिक विकास सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों के युवा सहभागिता करेंगे कॉन्क्लेव की विशेषता क्रांति और ज्ञान के संगम का प्रतीक दो प्रेरक रैलियां होंगी अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली चन्द्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा) से प्रारंभ हुई आज़ाद युवा बाइक रैली तथा आदि शंकराचार्य की दीक्षा भूमि ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई शंकर संकल्प साइकिल यात्रा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर एक साथ अपने गंतव्य पर पहुंचेगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोनों रैलियों के प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान करेंगे कॉन्क्लेव में युवाओं को विभिन्न विषयगत समूहों में विभाजित कर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा इन कार्यशालाओं में युवा स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुझावों, नवाचारों और भावी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श कर क्रियान्वयन योग्य संकल्प तैयार करेंगे कार्यशालाओं में शिक्षा एवं कौशल विकास खेल एवं स्वास्थ्य एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप कृषि-उद्यानिकी एवं पर्यावरण तथा जन अभियान, संस्कृति एवं पर्यटन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा होगी प्रत्येक समूह द्वारा तैयार किए गए संकल्पों की प्रस्तुति मुख्य मंच से की जाएगी।

में कांग्रेस की बूथ कमेटी गठन बैठक संपन्न संगठन मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर हुआ मंथन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर नगरी क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से बूथ कमेटी गठन एवं आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्ड क्रमांक 09, 14, 22, 07 एवं 08 के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में विधानसभा प्रभारी डॉ. रश्मि सिंह, मैहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष धर्मेश घई, ब्लॉक अध्यक्ष मुन्ना रमेश प्रजापति, जिला सचिव बदन सिंह, कल्पना बड़ोलिया, नगरी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चूड़ामणि बड़ोलिया सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम में बूथ कमेटियों के गठन, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, जनसंपर्क अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखें और स्थानीय समस्याओं को संगठन के माध्यम से उठाएं बैठक में पार्षद प्रतिनिधि एवं मंडल अध्यक्ष सौरभ गुप्ता, कुलदीप पाठक, कांग्रेस पार्षद रामू कोल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनौतियों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है। बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता से बेहतर संवाद स्थापित किया जाएगा और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा इस अवसर पर रईस खान, संजू प्रजापति, मोहम्मद सिद्दीकी, बाबू कोल, राकेश, जितेंद्र, मेहंदी, दीपू प्रजापति, सुरेंद्र, धर्मेंद्र, अजय वंशकार, सुरेश बंसल, राकेश बंसल, बसंत, सुषमा पाठक, बाला प्रसाद सिंग्राहा, सनी सिंह, शुभम सिंह, गोकर्ण पटेल, शोभित विश्वकर्मा, मुरली चौरसिया, सत्यम चौरसिया, संजय पाठक, राजकुमार सेन, आदित्य सेन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सतना जिले में अब तक 231.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 10 जुलाई तक 231.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 326.3 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 234.6 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 242.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 330.9 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 212.4 मि.मी., नागौद में 232.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 78.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 190.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 253.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

चित्रकूट में मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा रामघाट की सीढ़ियां डूबी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में गुरुवार रात सतना जिले के मझगवां और कोठी के जंगलों में हुई तेज बारिश का असर शुक्रवार को मंदाकिनी नदी पर दिखाई दिया दोपहर करीब 12 बजे से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा जिससे रामघाट की आठ सीढ़ियां पानी में डूब गईं हालांकि नदी अभी खतरे के निशान से नीचे बह रही है जलस्तर बढ़ने से रामघाट और भरत घाट पर हलचल बढ़ गई श्रद्धालुओं के बैठने के लिए घाट पर रखी कुर्सियां भी पानी की चपेट में आ गईं प्रशासन के अनुसार, मंदाकिनी नदी का जलस्तर करीब चार फीट बढ़ा है लगातार बारिश की संभावना को देखते हुए हालात पर नजर रखी जा रही है जलस्तर बढ़ने की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए। रामघाट सहित प्रमुख घाटों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी गई है लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं से नदी के गहरे हिस्से में नहीं जाने और सावधानी बरतने की अपील की जा रही है नाविकों और दुकानदारों को भी जारी किए निर्देश प्रशासन ने नाविकों को बढ़े हुए बहाव के दौरान नौकायन नहीं करने और नावों को सुरक्षित स्थान पर बांधने के निर्देश दिए हैं।

अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव कदम उठाये जाएंगे : मुख्यमंत्री

अतिथि विद्वानों की मांगों के संबंध में विचार के लिए सरकार ने गठित की है समिति उच्च शिक्षा में हमारी सकल पंजीयन दर राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि हम पूरी वसुधा को अपना कुटुंब समझते हैं हम सबके कल्याण की कामना करते हैं। सदियों से गुरूकुल शिक्षा पद्धति हमारी पहचान रही है गुरू-शिष्य परम्परा से हमारी कई पीढ़ियां शिक्षित-दीक्षित, पोषित और पल्लवित हुई हैं हमारे महाविद्यालय उसी परम्परा के प्रतीक हैं इनमें शिक्षा देने वाले अतिथि विद्वान युवा पीढ़ी का भविष्य संवारने वाले पावन मंदिर के पुजारी हैं जो अनेक युवाओं के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं अतिथि विद्वानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है उन्होंने कहा कि अतिथि विद्वानों की सभी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है इस समिति की अनुशंसाएं आना अभी शेष है। समिति की अनुशंसाएं प्राप्त होते ही सरकार उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव कदम उठाएगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालयों में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों द्वारा इनके हित में कई नवाचारी एवं सम्मानपूर्ण निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय अभिनदंन किया गया। अतिथि विद्वानों ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर एवं तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिथि विद्वान हमारे परिवार के सदस्य हैं इनके कल्याण के लिए हम हमेशा से प्रतिबद्ध हैं अतिथि विद्वानों के कल्याण के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति देश के दूसरे राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी और मध्यप्रदेश में सबसे बेहतर मॉडल वाली व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के हर जिले में एक-एक पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज खोले हैं खरगौन, गुना और सागर में नए शासकीय विश्वविद्यालयों की शुरुआत की गई है उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है बेहतर स्कूल शिक्षा के लिए राज्य में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले राज्य के सकल पंजीयन दर और राष्ट्रीय दर में बड़ा अंतर था, परंतु आज प्रदेश का सकल पंजीयन दर (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर हो गई है स्कूल शिक्षा में भी मध्यप्रदेश की ड्रॉप आउट दर शून्य पर आ गई है।

जमीन विवाद में फावड़े-कुल्हाड़ी से हमला, तीन घायल

शिकायतकर्ता ने भाजपा नेता का नाम एफ आईआर में शामिल नहीं करने पर उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के गाड़ा गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में तीन लोग घायल हो गए घटना खेत से सड़क निकालने को लेकर हुए विवाद के बाद सामने आई, जिसमें फावड़े, कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाया गया है पुलिस के अनुसार गाड़ा निवासी 72 वर्षीय इंद्रपाल सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे वह अपने बेटे प्रदीप सिंह के साथ आराजी नंबर-241 स्थित खेत पर मौजूद थे इसी दौरान जगदीश सिंह, सूर्यपाल सिंह और चंद्रपाल सिंह वहां पहुंचे और सड़क निकालने की बात को लेकर विवाद शुरू हो गया शिकायतकर्ता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए फावड़े कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया बीच-बचाव करने पहुंचे उनके नाती अंकित सिंह को भी चोटें आईं घायलों का उपचार जिला अस्पताल में कराया जा रहा है पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है वहीं शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि घटना के दौरान मौजूद भाजपा जिला उपाध्यक्ष गीतेश्वर सिंह का नाम एफआईआर में शामिल नहीं किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।